छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 354 | गाजियाबाद / शनिवार 28 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की भेंट

रेपिड रेल का हरिद्वार-ऋषिकेष तक विस्तार करने का आग्रह

- राज्य के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए जताया आभार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया तथा उन्हें उत्तराखंड आगमन का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री धामी ने रेपिड रेल को मेरठ से हरिद्वार व ऋषिकेष तक विस्तार करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री धामी ने भेंट के दौरान प्रधानमंत्री को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को टिहरी स्थित शक्तिपीठ मां सुरकंडा देवी की प्रतिकृति, बद्री गाय का घी, विभिन्न जिलों के पांच प्रकार के राजमा और शहद भेंट किए। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने हरिद्वार कुंभ-2027 के लिए 500 करोड़ रुपये की सहायता, नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी की फिजिबिलिटी स्टडी, राजाजी नेशनल पार्क स्थित चौरासी कुटिया के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति, पिथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई पट्टी के लिए एमओयू और चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षित हेली सेवाओं के संचालन में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का विशेष धन्यवाद दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण, चम्पावत बाईपास, देहरादून रिंग रोड और देहरादून-मसूरी रोड जैसी आधारभूत परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए भी आभार जताया।

एक्सप्रेस-वे एवं रेल परियोजनाओं पर जोर

मुख्यमंत्री ने दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे के निर्माण का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इससे औद्योगिक क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों तक आवागमन सुगम होगा। उन्होंने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन, हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन के डबलिंग और ऋषिकेश-उत्तरकाशी रेल लाइन निर्माण का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए आमंत्रित किया। प्रस्तावित कार्यक्रमों में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, टिहरी पम्प्ड स्टोरेज प्लांट, पंतनगर एयरपोर्ट विस्तार और बनबसा लैंड पोर्ट परियोजना शामिल हैं।

राज्य की योजनाओं और उपलब्धियों की दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने राज्य की विभिन्न पहलों की जानकारी देते हुए बताया कि होम-स्टे योजना के तहत 6000 से अधिक इकाइयां पंजीकृत की जा चुकी हैं व उत्तरास्टेज पोर्टल के माध्यम से स्थानीय लोगों को लाभ मिल रहा है। बागवानी क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमांत क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना और देवभूमि परिवार योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। साथ ही अग्निवीर आरक्षण नियमावली-2025 और उत्तराखण्ड जन विश्वास विधेयक-2026 के माध्यम से प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उनके पूर्व दौरे के दौरान दिए गए सुझावों पर की गई अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी दी। धामी ने बताया कि उत्तराखंड को वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए विभिन्न स्थलों पर कार्य किया जा रहा है।

साथ ही आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र के रूप में कई क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है और शीतकालीन यात्रा के प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि आदि कैलाश यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग और कयाकिंग जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय त्वरित पारगमन प्रणाली के विस्तार को हरिद्वार और ऋषिकेश तक बढ़ाने का अनुरोध किया। इसके अलावा राज्य में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयों की स्थापना, कोटद्वार, हरिद्वार और देहरादून में डिफेंस इंडस्ट्रियल हब विकसित करने व चिन्यालीसौड़ एयरस्ट्रिप के विस्तार के लिए भी केंद्र से सहयोग मांगा।

लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई(एजेंसी)। अमेरिकी-ईरान युद्ध में तनाव बढ़ने और शांति समझौते को लेकर अनिश्चितता के चलते वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स में 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,690.23 अंक यानी 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर था, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 486.85 अंकों यानी 2.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,819.60 पर था।

दिल्ली विधानसभा में 1.03 लाख करोड़ का बजट पास

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार का वर्ष 2026-27 का बजट विधानसभा में पास हो गया। 1,03,700 करोड़ रुपये का यह बजट सरकार ने ऐतिहासिक बताते हुए इसे इंफ्रास्ट्रक्चर और जनकल्याण को गति देने वाला करार दिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का फोकस बेहतर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है। उन्होंने घोषणा की कि मुनक नहर पर करीब 5,000 करोड़ रुपये की लागत से एलिवेटेड रोड का निर्माण केंद्र सरकार के सहयोग से किया जाएगा। साथ ही, इस वर्ष मेट्रो के तीन नए कॉरिडोर पूरे होने की उम्मीद है, जिससे दिल्ली देश में सबसे बड़ा मेट्रो इंफ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य बन जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'उपचार अधिकार है, उपकार नहीं' के सिद्धांत पर चलते हुए स्वास्थ्य विभाग के लिए 12,645 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के लिए मैदान में 1,955 उम्मीदवार

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को बताया कि दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों और चार राज्यों में होने वाले उपचुनावों के लिए कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि 250 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए हैं। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें असम (जिसमें 126 विधानसभा सीटें हैं) में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। केरल (जिसमें 140 सीटें हैं) में 890 उम्मीदवार हैं, जबकि केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी (जिसमें 30 सीटें हैं) में 294 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। जहां तक ??उपचुनावों की बात है, गोवा की एक सीट के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। कर्नाटक की दो सीटों के लिए 34 उम्मीदवार हैं, जबकि नागालैंड और त्रिपुरा की एक-एक सीट के लिए छह-छह उम्मीदवार उपचुनाव लड़ रहे हैं। ईसीआई ने 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों और उपचुनावों से जुड़ा डेटा जारी किया।

'न लॉकडाउन लगेगा, न ईंधन की कमी होगी'

केंद्र सरकार ने कहा अफवाहों पर ध्यान न दे जनता- घबराने की जरूरत नहीं

- राज्य सरकारों को आदेश- जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई सुचारू बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।

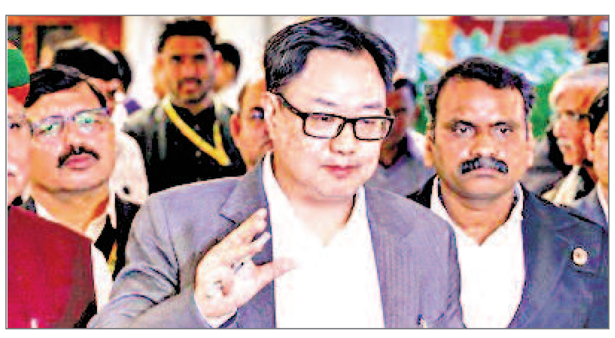

स्थिति नियंत्रण में : रिजिजू

लॉकडाउन की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, "ये अफवाहें कौन फैला रहा है? प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि किसी तरह की घबराहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी है कि पैनिक न करें। साथ ही राज्य सरकारों से कहा गया है कि जमाखोरी को रोका जाए और कोई भी ऐसी स्थिति न बनने दी जाए जिससे लोगों में डर फैले।" केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार पूरी तरह स्थिति पर नियंत्रण में है।

पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपए प्रति लीटर घटाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी कम करने का ऐलान किया है। इसके बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी कम होकर 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर शून्य हो गई है। इसका उद्देश्य अमेरिका, इजरायल-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के प्रभाव को सीमित करना है। सरकार डीजल के निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का टैक्स लगाया है।

एक्साइज में कमी से होगी तेल कंपनियों के नुकसान की भरपाई : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा और एक्साइज ड्यूटी में कमी को ग्राहकों को पास नहीं किया जाएगा। बल्कि, इससे तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई की जाएगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा,"इससे सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की अंडर रिकवरी को प्रत्यक्ष तौर पर कम करने में मदद मिलेगी, क्योंकि यह कंपनियां लागत से बेहद कम दाम पर खुदरा बाजारों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री कर रही हैं।" मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों के कारण तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 26 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 81.90 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

कमर्शियल एलपीजी के आवंटन को बढ़ाकर 70 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स के आवंटन का कोटा बढ़ाकर कुल मांग का 70 प्रतिशत कर दिया है, जो कि पहले 50 प्रतिशत था। इससे उन उद्योगों को राहत मिलेगी, जो कि बड़े स्तर पर अपने संचालन के लिए एलपीजी पर निर्भर है। 70 प्रतिशत कोटे में इस्पात, ऑटोमोबाइल, वस्त्र, रंगाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि ये अन्य आवश्यक उद्योगों को भी सहयोग प्रदान करते हैं।

अपना काम पूरा करते हैं पीएम नरेंद्र मोदी: अमेरिकी दूतावास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें 'काम पूरा करने वाले नेता' बताया था। इसके साथ ही, दूतावास ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दूतावास के सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी टाइमिंग और मैसेज की वजह से ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता।' यह अपडेट दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत के बाद आई है। मंगलवार को टेलीफोनिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने ईरान संघर्ष को लेकर अहम चर्चा की। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया।

एस-400 की खरीद के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ाने के मकसद से अतिरिक्त एस-400 यूनिट्स की खरीद की मंजूरी पर मुहर लग गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में अतिरिक्त एस-400 की खरीद के प्रपोजल को हरी झंडी दे दी गई। हाल ही में डिफेंस प्रोक्योरमेंट बोर्ड ने 5 अतिरिक्त एस-400 यूनिट्स की खरीद को मंजूरी दी थी। इसके बाद अब यह प्रस्ताव मंजूरी के लिए डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की बैठक में भेजा गया था। डीएसी ने एस-400 के एओएन (आवश्यकता की स्वीकृति) मंजूर कर दिया। इसके बाद अब आधिकारिक तौर पर अतिरिक्त एस-400 की खरीद प्रक्रिया शुरू होगी। अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में होगी। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के खिलाफ एस-400 का कॉम्बैट डेब्यू हुआ।

जोजिला में बर्फबारी, फंसे कई वाहन

लेह (एजेंसी)। जोजिला दर्रे के लद्दाख स्थित हिस्से में श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर शुक्रवार को भारी हिमस्खलन हुआ, जिससे कई वाहन फंस गए। हालांकि, इस घटना में किसी के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस घटना का संज्ञान लिया है और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। वीके सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जोजीला में हिमस्खलन की दुर्भाग्यपूर्ण खबर मिली है। मैंने कारगिल के डीसी और एसएसपी को तत्काल घटनास्थल का दौरा करने और राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा कि आपदा राहत बलों और बीआरओ सहित सभी सरकारी एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मैं

व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहा हूं। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि हिमस्खलन शुक्रवार सुबह जोजिला दर्रे के लद्दाख स्थित हिस्से में हुआ।

पाकिस्तान सीमा से सटे श्रीकरणपुर में एक चीनी नागरिक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (एजेंसी)।

राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे श्रीकरणपुर थाना क्षेत्र में खुफिया एजेंसियों ने एक चीनी नागरिक को पकडा है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि करीब 30 वर्षीय इस चीनी नागरिक का नाम हैबुओ बताया जा रहा है। गुरुवार शाम को वह श्रीकरणपुर के बाजार में घूम रहा था। किसी स्थानीय व्यक्ति ने इसकी सूचना सीआईडी के

अधिकारियों को दी, जिसके बाद खुफिया दल ने तुरंत उसे पकड़ लिया और थाने पहुंचाया। खुफिया पुलिस के अनुसार यह चीनी नागरिक एक प्रसिद्ध मोबाइल फोन कंपनी में काम करता है। उसकी पत्नी भारतीय है और वह चीन से व्यवसाय वीजा पर अपनी कंपनी की तरफ से भारत आया था। वह जयपुर में ठहरा हुआ था। उसके पास ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया यानी ओसीआई कार्ड भी है। फिलहाल उसे वीजा शर्तों के उल्लंघन का दोषी माना जा रहा है। आज सुबह उसे श्रीकरणपुर से श्रीगंगानगर लाया गया, जहां संयुक्त खुफिया केंद्र (जेआईसी) में खुफिया एजेंसियों के दल ने उससे गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

कंपनियों को न मिलता फायदा तो जनता के लिए महंगा हो जाता तेल : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जनता के ऊपर बोझ न पड़े, इसके लिए सरकार ने यह कटौती की है। संसद परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में तेल की कीमतों में उछाल आया है। हम कच्चा तेल इम्पोर्ट करते हैं और फिर कई तरह के तेल हम एक्सपोर्ट

करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन में दो बातें थीं। जनता के लिए डीजल या पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ने चाहिए और देश में तेल की आपूर्ति होती रहनी चाहिए, जिससे फ्यूल की कमी न हो। ऐसे में हम एक्सपोर्ट करने वाले रिफाइनरी पर भी टैक्स लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश में तेल की आपूर्ति के लिए एक्सपोर्ट करने वाली रिफाइनरी पर टैक्स लगाया है और तेल की कीमतों को कम करने के लिए सरकार इसका बोझ निर्वहन करेगी जिससे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी न हो। निर्मला सीतारमण ने बताया कि रामनवमी के दिन पीएम मोदी ने बैठक की। रात में इसकी तैयारी हुई और सुबह संसद में इसकी घोषणा की गई। विपक्ष के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अगर तेल कंपनियों को इसका फायदा न मिलता तो जनता के लिए तेल महंगा हो जाता। तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ सरकार ले रही है, जिससे जनता के लिए तेल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी। विपक्ष द्वारा तेल की कीमतों में कमी को राजनीति से प्रेरित बताए जाने पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि इससे नीचे जाने का कोई रास्ता नहीं हो सकता है, यह शर्मनाक है।

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, 卐यह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम वियजन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की ओर से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

महा संकल्प 2027 की गूंज : जेवर की ओर बढ़ता जनसैलाब

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद से जेवर की ओर बढ़ने वाला जनसैलाब संकल्प, संगठन और जनविश्वास का प्रतीक बनने जा रहा है। प्रातः 7 बजे शुरू होने वाली इस यात्रा में सैकड़ों बसें, वाहन और हजारों कार्यकर्ता व नागरिक शामिल होंगे। यह आयोजन केवल संख्या का नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। ओबीसी, एससी, वाल्मीकि समाज के साथ ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी, क्षत्रिय, त्यागी, अल्पसंख्यक, मुस्लिम, जैन और पारसी समाज के लोग बड़ी संख्या में इसमें भाग ले रहे हैं। सर्व समाज की यह भागीदारी इसे एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दे रही है। इस आयोजन में नारी

शक्ति की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला मोर्चा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं भाग ले रही हैं, जिससे कार्यक्रम को नई ऊर्जा मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी इस कार्यक्रम को 2027 के चुनावी सेमीफाइनल के रूप में देख रही है। जनसैलाब और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जनता विकास के साथ मजबूती से खड़ी है। गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में यह काफिला संगठन की मजबूत

जमीनी पकड़ को दशार्ता है। बूथ स्तर से लेकर विभिन्न इकाइयों तक कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देगी। एमएलसी एवं मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि इस आयोजन से पूरे प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और हर वर्ग का व्यक्ति इसमें शामिल होने को उत्साहित है। मयंक गोयल ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को एशिया का भव्य प्रोजेक्ट बताते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि लोगों में इतना उत्साह है कि वे निजी वाहनों से भी बड़ी संख्या में पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। इस आयोजन को लेकर लगातार बैठकें और संवाद जारी हैं, जिससे अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। मुरादनगर क्षेत्र में भी विशेष उत्साह देखा जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी भागीदारी की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास को नई गति मिली है। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इसी परिवर्तन का प्रतीक है, जो प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाएगा।

करोड़ों के फर्जी जीएसटी घोटाले का भंडाफोड़, दिल्ली गाजियाबाद के दो शातिर गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर पुलिस की अपराध शाखा ने फर्जी जीएसटी फर्मों के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी दिल्ली और गाजियाबाद के निवासी हैं, जिन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार यह पूरा फर्जीवाड़ा बिना किसी वास्तविक व्यापार के जीएसटी पोर्टल पर फर्जी रिटर्न दाखिल कर किया जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान प्रवेश वर्मा निवासी बी-7/1, बी ब्लॉक, राम विहार, जीवनपुर, पूर्वी दिल्ली तथा अमित कुमार सिंघल निवासी 29, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों ने कागजों पर फर्जी फर्में तैयार कर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाते हुए सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाई। मामले का खुलासा 12 दिसंबर 2025 को हुआ, जब राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त अभिनव सोनी ने टैक्स चोरी के उद्देश्य से किए जा रहे इस फर्जीवाड़े के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। शिकायत में बताया गया था कि कुछ लोग जीएसटी पोर्टल का दुरुपयोग करते हुए बिना किसी वास्तविक लेनदेन के फर्जी रिटर्न दाखिल कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच अपराध शाखा के इंस्पेक्टर फूलचंद को सौंपी गई। सघन जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों ने सुनियोजित साजिश के तहत कई फर्जी कंपनियां बनाईं और फर्जी बिलों के माध्यम से आईटीसी का अवैध लाभ उठाया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं, पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और इनके द्वारा बनाई गई फर्जी फर्मों की जांच में जुटी है, ताकि पूरे घोटाले की वास्तविक रकम और नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

बिना नक्शा और लेआउट पास कराए विकसित हो रही कॉलोनियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। बिना लेआउट और नक्शा पास कराए विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ तहसील प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलवा दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय कॉलोनाइजरों में हड़कंप की स्थिति बन गई और कई लोग अपने निर्माण कार्य को लेकर चिंतित नजर आए। शुक्रवार को एसडीएम विजय शंकर के निर्देश पर नायब तहसीलदार अजब सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने पुलिस बल के साथ विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया। टीम में कानूनगो नीरज चौहान, लेखपाल बेनी राम, मोहित शर्मा तथा विनियमित क्षेत्र के जेई एन के सिंह शामिल रहे। प्रशासनिक टीम ने उन कॉलोनियों को चिन्हित किया, जहां बिना अनुमति के प्लॉटिंग और निर्माण कार्य किया जा रहा था।

कार्रवाई के दौरान मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा स्थित ईदगाह रोड पर अवैध कॉलोनी में बनी एक दुकान की बाउंड्री को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। इसके अलावा मोहल्ला

चौधराना में श्मशान घाट के निकट काटी जा रही अवैध कॉलोनी, मठेरी रोड पर विकसित हो रही कॉलोनी की आंशिक दीवार तथा कालाखेड़ी रोड पर नवविकसित कॉलोनियों की बाउंड्रियों को भी गिराया गया।

प्रशासन की टीम ने मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा में बिना नक्शा पास कराए बनाई गई दो दुकानों को भी बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। तहसील प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से कॉलोनाइजरों में भय का माहौल है। वहीं कार्रवाई के दौरान कुछ कॉलोनाइजरों द्वारा बचाव के प्रयास भी किए गए। अभियान के बीच एक संबंधित अधिकारी से गुपचुप बातचीत कर फाइल जमा कराने की बात कही गई, जिसके बाद कार्रवाई पर आंशिक असर भी देखने को मिला। बताया गया कि अधिकारी ने एक स्थान पर चल रहे बुलडोजर को रुकवाते हुए संबंधित कॉलोनाइजर को दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए और बुलडोजर को वापस कर दिया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृत नक्शा और लेआउट के किसी भी प्रकार का निर्माण या कॉलोनी विकास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

चांदपुर में व्यवसायी के घर भीषण चोरी, आठ लाख नकद व जेवरात पर चोरों का हाथ साफ

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब शहर के प्रमुख और प्रतिष्ठित परिवार भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। नगर के जाने माने व्यवसायी निरीश कुमार गुप्ता उर्फ बिल्लू के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है और व्यापारियों में गहरी चिंता देखी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने बड़ी ही सुनियोजित तरीके से घर में प्रवेश किया और वहां रखी करीब आठ लाख रुपये की नगदी, लगभग साठ ग्राम सोने के आभूषण तथा भारी मात्रा में चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब परिवार के लोगों को घर में सामान बिखरा मिला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी

पुलिस बल के साथ पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से अंगुलियों के निशान सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, ताकि घटना के खुलासे में मदद मिल सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन विशेष टीमों का गठन किया है, जो आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

पीड़ित पक्ष की ओर से मुकुल गुप्ता की पत्नी ने बताया कि घर में रखी नगदी के अलावा सोने और चांदी के आभूषण भी चोरी हुए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जलीलपुर रोड जैसे व्यस्त और आबादी वाले इलाके में हुई इस बड़ी चोरी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारियों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार ने आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया समस्त माल बरामद कर लिया जाएगा।

सिग्नेचर मॉल में अवैध बार पर कौशाम्बी पुलिस ने मारा छापा, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत नशे के पदार्थ पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। शुक्रवार को थाना कौशाम्बी पुलिस ने सिग्नेचर मॉल सेक्टर 3 वैशाली में छापा मारा, जहां पर कोको बार में अवैध रुप से हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 4 अभियुक्त गोविंद, कुनाल, नवीन और गिरीश शर्मा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से 5 हुक्का मय चिलम, 5 हुक्का की पाईप, 6 फ्लेवर्ड तम्बाकू पैकेट बरामद किए। वही मौके से 4 अभियुक्त पार्थ, सुमित, अमित और जितेंद्र अभी फरार है, जिनकी तलाश पुलिस टीम कर रही है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सिग्नेचर मॉल के अंदर अवैध रूप से हुक्का बार का संचालन किया जा रहा है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो कोको बार के नाम से अवैध हुक्का बार का संचालन करते हुए पाया गया। पुलिस ने मौके से 4 अभियुक्त को गिरफ्तार किया, वहीं मौके से फरार कर अभियुक्तों की तलाशी इस समय चल रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि पैसे कमाने का लालच देकर उनसे काम करवाया जा रहा था। जितेंद्र कैफे का संचालक है, जो पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया।

विश्व टीबी दिवस पर प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट की सराहनीय पहल, 7187 मरीजों को मिला नया जीवन

हापुड़ (शिखर समाचार)। प्रेमचंद लोहिया मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में विश्व टीबी दिवस के अवसर पर दिल्ली रोड स्थित मेरिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड परिसर में एक जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर राजेश, मेरिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक एवं ट्रस्ट के ट्रस्टी मधुसूदन लोहिया, प्रसन लोहिया, नृपेन कुमार डूगर तथा इकाई प्रमुख गौरव दुबे द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं संस्थापकों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर किया गया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट द्वारा टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बताया गया कि वर्ष 2004 से ट्रस्ट लगातार क्षय रोग के मरीजों के उपचार में संलग्न है और अब तक 7187 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज कर उन्हें स्वस्थ जीवन प्रदान किया जा चुका है। यह उपलब्धि न केवल ट्रस्ट

की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, बल्कि समाज के प्रति उसके सेवा भाव को भी उजागर करती है।

इस अवसर पर ट्रस्टी मधुसूदन लोहिया एवं प्रसन लोहिया ने कहा कि जब तक टीबी का पूर्ण उन्मूलन नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना भी है, ताकि समय रहते जांच और उपचार संभव हो सके।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर राजेश ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था द्वारा टीबी के निदान एवं उपचार में दिया जा रहा सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ट्रूनेट मशीन की स्थापना के लिए ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस मशीन के माध्यम से टीबी की जांच अधिक सटीक, त्वरित और विश्वसनीय तरीके से संभव हो पा रही है, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल रहा है।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के डॉक्टर प्रह्लाद सहाय अग्रवाल एवं डॉक्टर दिनेश कुमार अग्रवाल अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। टीम में विनोद कुमार, अनिल त्यागी, यासीन अली एवं सुहैल ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन प्रशासन एवं मानव संसाधन उप महाप्रबंधक रामेंद्र सिंह के निर्देशन में सचिन चौधरी एवं हेमंत कुमार त्यागी द्वारा संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक किया गया। पूरे आयोजन के दौरान टीबी के प्रति जागरूकता, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारी तेज, कार्यकताओं में उत्साह चरम पर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक गौतमबुद्धनगर विश्वविद्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज के साथ वालंटियर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर सभी कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज ने कहा कि हर कार्यकर्ता पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटा है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकास और नए भारत के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि सभी बस प्रमुख विशेष तौर पर ध्यान रखें की बस सुबह 9:30 बजे तक जनसभा स्थल तक पहुंच जाए और कोई भी व्यक्ति काला वस्त्र पहनकर नहीं आए। प्रशासन उनको वापस कर देंगे कोई डिजिटल वॉच आदि नहीं लेकर जानी है ये बाते बस प्रमुख सभी को बता दें । जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता उत्साह के साथ अपने अपने कार्य में जुटे सभी बस प्रमुखों को मॉनिटरिंग टीम सूचित करें सभी समय से जनसभा स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में व्यवस्थित व्यवस्था में पहुंचे । इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री वीरेन्द्र भाटी धर्मन्द्र कोरी धर्मेन्द्र भाटी दीपक भारद्वाज सतेन्द्र नागर सरदीप नागर पवन रावल अरुण प्रधान कर्मवीर आर्य अर्पित तिवारी सत्यपाल शर्मा रजनी तोमर योगेश चौहान मुकेश भाटी अन्नू सिंह वंदना गीता सागर चंद्रमणि भारद्वाज आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट उद्घाटन से पहले जेवर की सड़कों की खानापूर्ति, लोगों में रोष

जेवर (शिखर समाचार)। वर्षों से जर्जर पड़ी जेवर की सड़कों की मरम्मत का कार्य एयरपोर्ट उद्घाटन से मात्र 15 घंटे पहले शुरू किए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। कस्बे के टप्पल (अलीगढ़) रोड और झाझर रोड पर लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिनसे राहगीर और वाहन चालक परेशान हैं। बरसात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे आए दिन वाहन फंसते हैं और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कई बार इन सड़कों पर हादसों में लोगों की जान भी जा चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से सड़कों के निर्माण की मांग की जा रही थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। अब एयरपोर्ट उद्घाटन से ठीक पहले जल्दबाजी में मरम्मत कार्य शुरू कर केवल खानापूर्ति की गई है। लोगों का कहना है कि सड़कों पर सिर्फ नाम मात्र की रोड़ी और तारकोल की पतली परत डाली गई है, जो उद्घाटन के बाद जल्द ही उखड़ जाएगी। इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हापुड़ और मेरठ में एटीएस का बड़ा खुलासा, तीन फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज पकड़े विदेशी कॉल को लोकल बनाकर चल रहा था नेटवर्क

हापुड़/मेरठ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश एटीएस ने एक बड़ी और संगठित कार्रवाई करते हुए हापुड़ और मेरठ में संचालित हो रहे फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है, क्योंकि इस नेटवर्क के तार देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े होने की भी आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक एटीएस की मेरठ यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी कि मेरठ और हापुड़ में अवैध रूप से फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज संचालित किए जा रहे हैं, जिनके जरिए विदेश से आने वाली कॉल्स को तकनीकी माध्यम से लोकल कॉल में बदलकर आगे ट्रांसफर किया जाता है।

इस इनपुट के आधार पर एटीएस ने गुरुवार को मेरठ के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के समर गार्डन इलाके सहित हापुड़ में कुल आठ स्थानों पर एक

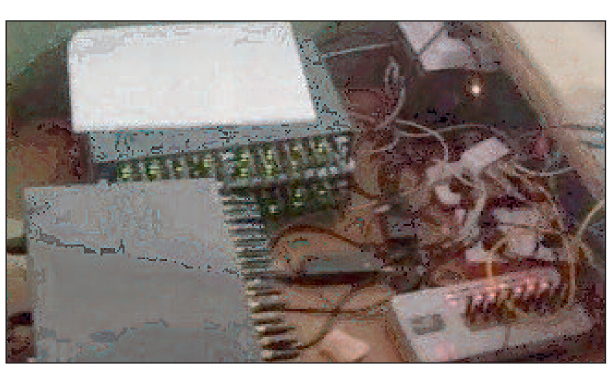

साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान तीन फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज का खुलासा किया गया। छापेमारी में एटीएस को भारी मात्रा में उपकरण बरामद हुए, जिनमें करीब 300 पहले से एक्टिवेट मोबाइल सिम और चार सिम बॉक्स शामिल हैं। जांच में सामने आया कि ये सभी सिम अन्य लोगों की फर्जी या गलत आईडी पर लिए गए थे और इन्हें अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। एजेंसियों की जांच में यह भी सामने आया कि इस पूरे नेटवर्क का संचालन मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र निवासी सद्दाम द्वारा किया जा रहा था, जिसे इस गिरोह का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। एटीएस ने उसे हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं फर्जी आईडी पर सिम उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी मेरठ के फरदीन नामक व्यक्ति की थी, जिसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। फरदीन की लिसाड़ी गेट क्षेत्र में मोबाइल और सिम कार्ड की दुकान बताई जा रही है, जहां से यह पूरा नेटवर्क संचालित होता था। एटीएस अधिकारियों के अनुसार आरोपी विदेशी कॉल को वीओआईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल पर आवाज) तकनीक के जरिए लोकल कॉल में कन्वर्ट कर देते थे, जिससे कॉल की वास्तविक लोकेशन और पहचान छिप जाती थी। इस तकनीक का इस्तेमाल अक्सर साइबर अपराध, धोखाधड़ी और देश विरोधी गतिविधियों में किया जाता है।

फिलहाल इस मामले में 15 से अधिक अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है और एटीएस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहराई से जांच कर रही है।

इस कार्रवाई को सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे एक बड़े अवैध नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है।

सिद्धार्थ विहार, वसुंधरा और मंडोला में नवरात्रि की धूम: 55 आवंटियों ने कराई रजिस्ट्री, परिषद को 15 करोड़ का राजस्व

आरव शर्मा

गाजियाबाद/मंडोला (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की विभिन्न योजनाओं में नवरात्रि के पावन पर्व पर उत्सव का माहौल रहा। इस शुभ अवसर का लाभ उठाते हुए परिषद ने गाजियाबाद की सिद्धार्थ विहार, वसुंधरा और मंडोला विहार योजना के अंतर्गत पिछले 9 दिनों में कुल 55 फ्लैट्स की रजिस्ट्री आवंटियों के पक्ष में निष्पादित की है।

इन रजिस्ट्रियों के माध्यम से परिषद के खजाने में लगभग 15 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जबकि स्टांप शुल्क के रूप में सरकार को करीब 1 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। आस्था और उत्साह के संगम के बीच कई आवंटियों ने नवरात्रि के दौरान अपने नए आवासों का कब्जा प्राप्त कर विधि विधान से 'गृह प्रवेश' भी किया।

कुशल नेतृत्व में मिली सफलता

संपत्ति प्रबंध अधिकारी (गाजियाबाद/मंडोला) पी.एस. रावत ने बताया कि यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के मेरठ जोन के उप आवास आयुक्त अनिल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन के कारण संभव हो सकी है। परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रियता से आवंटियों को रजिस्ट्री और कब्जे की प्रक्रिया में काफी सहूलियत मिली।

14 अप्रैल से लागू होगी ओटीएस (ओटीएस) योजना, बकायेदारों को नोटिस जारी

परिषद ने अब अपना ध्यान बकायेदारों को राहत देने पर केंद्रित किया है। शासन और परिषद के निदेशों के अनुसार, आगामी 14 अप्रैल 2026 से एक नई एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) संचालित होने जा रही है।

नोटिस का दौर शुरू: योजना का लाभ देने के लिए कार्यालय द्वारा अब तक लगभग 210 बकायेदारों को नोटिस भेजकर सूचित किया जा चुका है। यह प्रक्रिया अभी निरंतर जारी है।

हेल्प डेस्क की स्थापना: आवंटियों की सहायता और योजना की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय में एक समर्पित ओटीएस हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है।

अपील: परिषद ने सभी बकायेदारों से पुरजोर अपील की है कि वे इस रियायती योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, अपने बकाया का निपटान करें और अपनी संपत्ति का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त करें।

पेट्रोल पंपों पर नीले ड्रम-भगोने लेकर पहुंचे लोग

सरकार बोली- अफवाह फैलाने वालों पर एक्शन लेंगे

यूपी (एजेंसी)। कई पेट्रोल पंपों पर लाइनें लगी हैं। पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह के चलते तीसरे दिन यानी शुक्रवार को भी लोग बड़े-बड़े डिब्बे और ड्रम लेकर पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। भीड़ की वजह से घंटों इंतजार भी करना पड़ रहा है। लखनऊ के कठौता चौराहे पर पेट्रोल-डीजल के लिए 500 मीटर लंबी लाइन लगी है। गोंडा के धानेपुर में एक पेट्रोल पंप पर डीजल लेने के लिए जमकर धक्का-मुक्की हुई। लाइन में आगे पहुंचने के चक्कर में कुछ लोग आपस में भिड़ गए। एक-दूसरे को खींचकर लाइन से बाहर निकालते दिखे। योगी सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग रणवीर प्रसाद ने बताया- कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। सभी जिलों में मांग के अनुसार, पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में करीब 13,168 पेट्रोल पंप चल रहे हैं। पंप मालिकों का कहना है कि अचानक 3 से 4 गुना तक भीड़ बढ़ गई। उन्हें समझ में भी नहीं आ रहा कि तेल पर्याप्त होने के बावजूद ऐसा क्यों हो रहा।जालौन में डीजल की कमी की शिकायतों के बीच डीएम राजेश कुमार पांडेय और एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार ने पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। किसानों ने डीजल न मिलने से हो रही परेशानी बताई। डीएम ने निर्देश दिए कि किसानों को प्राथमिकता के आधार पर डीजल दिया जाए। गोंडा में पेट्रोल पंपों पर शुक्रवार को भारी भीड़ देखने को मिली। डीएम आवास के सामने स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। पंप पर डीजल की बिक्री 500 रुपए तक सीमित कर दी गई है, इसके बावजूद लोग बड़े डिब्बे लेकर पहुंच रहे हैं। श्रावस्ती के जमुनहा ब्लॉक क्षेत्र में शुक्रवार को पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह पंप खुलते ही लंबी-लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। आगरा में किसी भी पंप पर भीड़ नहीं है। पेट्रोल और डीजल आसानी से मिल रहा है। लोगों ने बताया- जो लोग आम दिनों में 1 लीटर पेट्रोल भराते थे, वह आज 3 लीटर पेट्रोल भरा रहे हैं। अयोध्या में सिविल लाइन स्थित पेट्रोल पंप पर सामान्य दिनों की तरह लोग पेट्रोल डलवाते नजर आए। वहीं एक-दो पेट्रोल पंप स्टॉक खत्म होने की वजह से बंद मिले। अधिकारियों की मानें तो सप्लाई शाम तक आने के बाद यहां भी लोगों को पेट्रोल-डीजल मिलना शुरू हो जाएगा। मेरठ में पेट्रोल पंप पर हालात सामान्य हैं। यहां किसी तरह की अभी किल्लत नहीं दिखती। पेट्रोल पंप पर भीड़ भी नहीं है। सामान्य दिनों की तरह ही लोग पेट्रोल-डीजल भरा रहे हैं। यशलोक के पास स्थित पेट्रोल पंप पर आम दिनों की तरह ही पेट्रोल वितरण जारी मिला। पंप कर्मचारियों का कहना है कि स्टॉक की अभी कोई कमी नहीं है। कचहरी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर भी अन्य दिनों की तरह स्थिति सामान्य थी। यहां मशीन कम होने के बाद भी भीड़ जैसे हालात नहीं थे। अंबेडकरनगर में पेट्रोल पंपों पर आज स्थिति सामान्य है। पंपों पर राजस्व कर्मियों और पुलिस की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो और ईंधन का वितरण सुचारू रूप से जारी रह सके। बहराइच में शुक्रवार को भी पंपों पर पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। हालांकि, पिछले दो दिनों के मुकाबले भीड़ में कुछ कमी देखने को मिली है। पुलिस की देखरेख में पेट्रोल वितरण कराया जा रहा। पंप मैनेजर बृजेश यादव के अनुसार, लोगों द्वारा अधिक मात्रा में पेट्रोल और डीजल लेने की वजह से दिक्कतें बढ़ रही हैं। चित्रकूट में 64 पेट्रोल पंप हैं। 27 मार्च को सुबह 9 बजे तक 15 पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल पूरी तरह खत्म हो गया। इससे लोगों को पेट्रोल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। जिन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध है, वहां भी सीमित मात्रा में ही वितरण किया जा रहा। बाइक में 100 रुपए, चार पहिया में 500 और ट्रकों में 1000 तक का ही पेट्रोल दिया जा रहा। हाथरस जिले में कुल 125 पेट्रोल और डीजल पंप संचालित हैं, लेकिन इनमें से कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल का स्टॉक खत्म हो गया है। इसके चलते अन्य पंपों पर पेट्रोल लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर लंबी कतारें लग गईं और लोगों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ रहा। भदोही जिले में कुल 98 पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का वितरण किया जा रहा है। एक-दो पंपों को छोड़कर अधिकांश जगहों पर ईंधन आसानी से उपलब्ध है। हालांकि, गोपीगंज क्षेत्र के दानापुर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की किल्लत की अफवाह के चलते लोगों की भीड़ बढ़ गई। यहां लोग अधिक मात्रा में पेट्रोल-डीजल लेने के लिए पहुंचते नजर आए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। औरैया जिले में भी हालात सामान्य बने हुए हैं। यहां भी किसी पेट्रोल पंप पर लाइन या भीड़ की स्थिति नहीं है। पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष राघव मिश्रा के अनुसार जिले में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध है और आपूर्ति में किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। फर्रुखाबाद जिले में पेट्रोल-डीजल को लेकर स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक किसी भी पेट्रोल पंप पर भीड़ या लंबी लाइनें देखने को नहीं मिली हैं। जनपद में कुल 92 पेट्रोल पंप संचालित हैं और सभी पर ईंधन की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध है, जबकि इंडियन ऑयल कंपनी के सुपरवाइजर ने भी किसी प्रकार की कमी से इनकार किया है। संभल की तहसील गुन्नौर के गांव भकरौली स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर भी स्थिति सामान्य है।

बॉडी बिल्डर ने खुद को चाकू मारकर जान दी

मेरठ (एजेंसी)। एक बॉडी बिल्डर ने खुद को चाकू मारकर जान दे दी। ट्रेनर अपने बड़े भाई इमरान से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान दोनों भाइयों में किसी बात पर झगड़ा हो गया। कॉल कटते ही उसने घर में रखा चाकू उठाया। अपनी जांघ में तेजी से वार किया। वार इतना तेज था कि चाकू सीधे जांघ को चीरते हुए अंदर नस को काटता चला गया। तेजी से खून बहने लगा। घरवाले उसे पास के प्राइवेट अस्पताल में इलाज के ही ले गए। जहां शाम 4 बजे युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची, तो परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिया। घरवाले मामले में पुलिस की कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। घटना इंचौली थानाक्षेत्र के लावड़ की है। लावड़ के रहने वाले अलीहसन के 6 बेटे थे। इसमें सबसे छोटे बेटे की 3 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। 5वें नंबर का बेटा सलमान था। सलमान का लावड़ में ही अपना पोलेट्री फार्म है। इसके साथ ही सलमान (28) बॉडी बिल्डर था। 4 साल पहले उसकी शादी मुजफ्फरनगर की आयशा से हुई थी। उसके एक बेटा एक बेटी हैं। एक ही घर में अलीहसन अपने पूरे परिवार के साथ रहते हैं। उनका बड़ा बेटा काम से बाहर गया था। गुरुवार सुबह सलमान अपने कमरे में बच्चों के साथ लेटा था। पत्नी कमरे से बाहर कुछ काम कर रही थी। तभी सलमान की बात फोन पर अपने बड़े भाई इमरान से हो रही थी। बातों-बातों में भाइयों में किसी बात पर विवाद हो गया। झगड़े की वजह क्या थी ये कोई भी बताने को तैयार नहीं है।सबसे पहले पत्नी ने देखा तो चिल्लाइ इसके बाद सलमान ने घर में रखा चाकू उठाया और तेजी से अपनी जांघ में मार लिया। चाकू जांघ में गहराई तक लग गया। पूरे कमरे में खून फैल गया। सबसे पहले पत्नी आयशा ने पति को खून से लथपथ देखा। वो चिल्लाई, बाकी घरवालों को बुलाया। चीख सुनकर बाकी लोग भी कमरे में पहुंचे। देखा तो सलमान खून से लाल हो चुका था। घरवाले तुरंत घायल हालत में सलमान को पास ही एसडीएस ग्लोबल अस्पताल लेकर गए। जहां उसे भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। डॉक्टर शाम 4 बजे तक सलमान का इलाज करते रहे, लेकिन कट गहरा होने के कारण खून का रिसाव नहीं रुका। एक्सेस ब्लीडिंग के चलते शाम को सलमान ने दम तोड़ दिया।

रामलला का सूर्य तिलक, 9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें

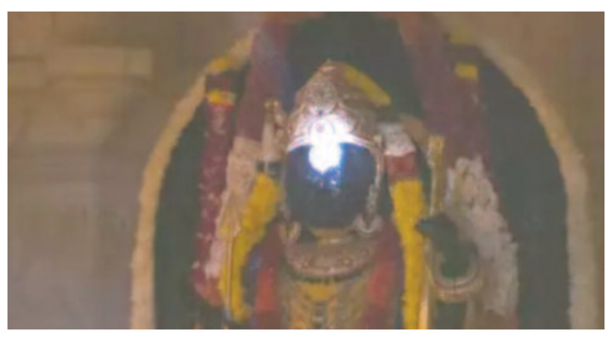

अयोध्या (एजेंसी)। रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा।सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया गया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया। फिर आरती की गई। आज आम दिनों के मुकाबले भक्त 3 घंटे ज्यादा रामलला के दर्शन कर पाएंगे। सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक यानी 18 घंटे दर्शन होंगे। पहले सुबह 6:30 से रात 9:30 तक दर्शन होते थे। राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर भीड़ ज्यादा है। करीब 10 लाख लोग रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं। रामनवमी पर जौनपुर से रामलला का अनोखा भक्त अयोध्या पहुंचा है। मनीष पाल चावल के दाने पर प्रभु श्री राम का नाम उकेर कर श्रद्धालुओं में निशुल्क दे रहा है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रतिज्ञा ली थी। मंदिर निर्माण के बाद से चावल पर प्रभु श्री राम का नाम उकेर कर लोगों में दे रहा हूं। इससे पहले माघ मेले में भी एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं को प्रभु श्री राम नाम लिखित चावल वितरित कर चुका हूं। रामनगरी अयोध्या में राम नवमी के अवसर पर रामलला के लिए विशेष पीतांबर वस्त्र तैयार किए गए हैं। इन दिव्य वस्त्रों को बनाने में तीन महीने से अधिक का समय लगा। वस्त्र असम के एरी सिल्क से तैयार किए गए हैं, जो अपनी कोमलता और प्राकृतिक गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसे बनाने वाले डिजाइनर मनीष तिवारी ने बताया कि हर बारीकी पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बार प्रभु राम इन मनोहारी वस्त्रों में और भी आकर्षक और अलौकिक रूप में भक्तों को दर्शन देंगे, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ा है।

पत्नी की हत्या कर पति देखता रहा, 5 घंटे तड़पी

स्वीटा, मृतक

प्रयागराज (एजेंसी)। पति ने पत्नी की हत्या कर दी। इलेक्ट्रिक प्रेस से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ 8 वार किए। वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गई और करीब 5 घंटे तक तड़पती रही। पति सामने बैठकर उसे तड़पता देखता रहा। जब पत्नी की सांस थम गई, तब पुलिस को फोन कर बोला- मैंने अपनी पत्नी का मर्डर कर दिया है। डेडबॉडी घर पर है। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी पत्नी की लाश के सामने बैठा था। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पति ने बताया कि पत्नी हर रोज कहती थी कि अपनी मां-बहन को छोड़ दो। मेरे साथ रहो। इस बात को लेकर बुधवार रात करीब 1.30 हम दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। घटना झूंसी थाना के चमनगंज बाजार की है। दोनों ने 5 साल पहले लव मैरिज की थी। हेमंत कुमार वर्मा चमनगंज बाजार के रहने वाले हैं। पुलिस की पूछताछ में उन्होंने बताया- पंजाब के गुरदासपुर निवासी स्वीटा से मेरा अफेयर था। 12 नवंबर 2021 में हम दोनों ने लव मैरिज कर ली। शादी से मेरी एक 2 साल की बेटी भी है। शादी के बाद से ही स्वीटा मुझ पर अलग रहने का दबाव बनाने लगी।

माधुरी दीक्षित ने काशी विश्वनाथ में रुद्राभिषेक किया

पति के साथ 'ऊं नमः शिवाय' का जप किया

वाराणसी(एजेंसी)। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित, पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ दो दिन के लिए काशी आईं थीं। दूसरे दिन शुक्रवार सुबह उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। पति के साथ रुद्राभिषेक भी किया। साथ ही ह्लऊं नमः शिवायह्व का जप भी किया। मंदिर न्यास की ओर से उन्हें रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र भेंट किया गया। माधुरी जब मंदिर से निकल रही थीं तो लाइन में खड़े श्रद्धालुओं ने 'हर हर महादेव' के जयघोष से उनका स्वागत किया। वह सबसे मिलती और मुस्कुराती रहीं। धाम की भव्यता पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बेहद खूबसूरत बनकर तैयार हुआ है। नमो घाट से वह हाइड्रोजन क्रूज के जरिए गंगा मार्ग से मंदिर पहुंचीं। यहां से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंदिर चौक तक ले जाया गया। इस दौरान माधुरी दीक्षित को देखकर वहां मौजूद श्रद्धालु काफी उत्साहित नजर आए। दरअसल, काशी यात्रा के पहले दिन पति श्रीराम नेने के साथ माधुरी दीक्षित नमो घाट पहुंचीं। गंगा घाट का दिव्य नजारा देखा। फिर उन्होंने अलकनंदा क्रूज में गंगा की सैर की। इस दौरान कपल ने अपनी खींची गई तस्वीरें भी साझा की। क्रूज में घूमने के दौरान माधुरी दीक्षित ने कुल्हड़ वाली चाय का लुत्फ उठाया। दशाश्वमेध घाट के सामने गंगा आरती की और दीपदान किया। माधुरी एयर इंडिया के विमान एआई- 696 से गुरुवार दोपहर 12:40 बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचीं थीं। उनके साथ पति डॉ.श्रीराम नेने, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह भी मौजूद रहे। वह एक शोरूम का उद्घाटन करने पहुंची थीं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि काशी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी है। यहां की खूबसूरती देखने के लिए वह काफी उत्साहित हैं। एयरपोर्ट पर माधुरी दीक्षित के फैंस मौजूद रहे। इस दौरान सभी उनके साथ सेल्फी लेते नजर आए। माधुरी दीक्षित ने भारतीय हिंदी सिनेमा में अपनी प्रतिभा, खूबसूरती और बेहतरीन नृत्य के दम पर एक ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिसे आज भी नई पीढ़ी की अभिनेत्रियां आदर्श मानती हैं। 80 और 90 के दशक में उन्होंने खुद को फिल्म इंडस्ट्री की शीर्ष अभिनेत्रियों में स्थापित किया। अपने शानदार अभिनय व लाजवाब डांस से दर्शकों के दिलों पर राज किया। 15 मई 1967 को मुंबई में एक मराठी परिवार में जन्मी माधुरी के पिता शंकर दीक्षित और माता स्नेहलता दीक्षित हैं। बचपन में उनका सपना डॉक्टर बनने का था, और यही वजह रही कि उन्होंने अपने जीवनसाथी के रूप में श्रीराम नेने को चुना, जो पेशे से एक चिकित्सक हैं। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और बचपन से ही कथक नृत्य में गहरी रुचि रखी, जिसके लिए उन्होंने कई वर्षों तक प्रशिक्षण लिया। माधुरी दीक्षित ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत 1984 में फिल्म अबोध से की, लेकिन उन्हें असली पहचान 1988 में आई सुपरहिट फिल्म तेजाब से मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक के बाद एक कई हिट फिल्में दीं, जिनमें राम लखन, परिंदा, त्रिदेव, किशन कन्हैया और प्रहार शामिल हैं।

लाखों की खैर की लकड़ी बरामद, माफिया गाड़ी छोड़कर फरार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र की साहूवाला वन रेंज में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की खैर की अवैध लकड़ी से भरी एक पिकअप गाड़ी पकड़ ली। हालांकि वन विभाग की टीम को देख लकड़ी माफिया वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। विभाग ने गाड़ी को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है और फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। साहूवाला वन रेंज की इनायतपुर वन चौकी पर तैनात वन दरोगा साजिद अंसारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र के ग्राम मदपुरी के जंगल से अवैध रूप से खैर की लकड़ी ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम, जिसमें वन दरोगा अभिषेक यादव, शुभम कुमार और वन रक्षक नितिन कुमार शामिल थे, गुरुवार देर रात मौके पर पहुंची। टीम को जंगल से एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी लकड़ियों से लदी हुई जाती दिखाई दी। वन कर्मियों ने गाड़ी को रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और भागने का प्रयास किया। इस पर वन विभाग की टीम ने पीछा शुरू कर दिया। करीब पीछा करने के बाद चालक कस्बा अफजलगढ़ पहुंचा, जहां पेट्रोल पंप के पास वह गाड़ी छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। वन विभाग की टीम ने मौके से गाड़ी को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय पहुंचाया। वन दरोगा के अनुसार गाड़ी में लाखों रुपये कीमत की खैर की लकड़ी भरी हुई है। वाहन को सीज कर दिया गया है और मामले में अज्ञात लकड़ी माफिया के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए वन विभाग की टीम लगातार दबिश दे रही है।

ऑपरेशन स्माइल के तहत 2 घंटे में मिला गुमशुदा 4 वर्षीय मासूम, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल अभियान के तहत सराहनीय कार्य करते हुए गुमशुदा 4 वर्षीय बच्चे को मात्र 2 घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पलवाड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि उसका 4 वर्षीय बच्चा अचानक लापता हो गया है। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बावजूद बच्चे का कोई पता नहीं चल सका, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस हरकत में आई और गुमशुदा बच्चे की तलाश के लिए आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की। ऑपरेशन स्माइल अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम ने तत्परता और मुस्तैदी दिखाते हुए लगातार खोजबीन की। पुलिस के अथक प्रयासों के चलते बच्चे को मात्र 2 घंटे के भीतर मीरा की रेती क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद बच्चे को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चे के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनकी सराहना की।

दादरी रैली को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने तेज किया जनसंपर्क अभियान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। 29 मार्च को दादरी में प्रस्तावित समाजवादी पार्टी की रैली को सफल बनाने के लिए खतौली विधानसभा क्षेत्र में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। क्षेत्रभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। श्यामलाल बच्ची सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टीमें नगर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी पहुंचकर लोगों को रैली में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इस दौरान जसोला, सिकंदरपुर, कढ़ली, चंदपुरी समेत कई गांवों में एक ही दिन में संपर्क कर रैली की जानकारी दी गई। जिला उपाध्यक्ष पंकज सैनी के आवास पर आयोजित बैठक में रैली की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पंकज सैनी ने बताया कि इस रैली का आयोजन राजकुमार भाटी द्वारा किया जा रहा है, जिसमें अखिलेश यादव के शामिल होने की संभावना है। बैठक में पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सतीश गुर्जर, विधानसभा अध्यक्ष पुरकाजी संजीव आर्य, विधानसभा अध्यक्ष खतौली सत्यदेव शर्मा, जिला सचिव गजेंद्र गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शेखर गुर्जर, अमित खारी सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन तलाश अभियान: बहादुरगढ़ पुलिस ने 03 वारंटियों को किया गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश अभियान के अंतर्गत बहादुरगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टीम ने दबिश देकर आरोपियों को उनके उनके मकानों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में अनुज उर्फ मोंगली और अमित निवासी ग्राम रझेटी थाना बहादुरगढ़ तथा सुभाष निवासी कस्बा व थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मां भगवती के जागरण में भजनों पर झूमे श्रद्धालु, भक्ति में डूबी रही पूरी रात

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की मास्टर कॉलोनी में मां भगवती के विशाल जागरण का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु पूरी रात भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। भक्ति और आस्था से सराबोर इस आयोजन में देर रात तक भजन कीर्तन और झांकियों का सिलसिला चलता रहा। कार्यक्रम के समापन पर सुबह प्रसाद वितरण किया गया। जागरण का शुभारंभ भाजपा के पूर्व चेयरमैन जितेंद्र त्यागी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पीएचसी चिकित्साधिकारी डॉ सोनू कश्यप ने कहा कि भजनों और झांकियों के माध्यम से निर्मित भक्ति का वातावरण लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण, सुदामा, काली मां और दुर्गा की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का सजीव मंचन भी किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। इस दौरान प्रशांत शर्मा, संयम चौधरी, बंटी गौतम, अंकुर दुआ, आशीष, सतेंद्र, पारस और पंकज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जेवर में ऐतिहासिक दिन: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण आज, विकास को मिलेगी नई उड़ान

सुभाष यादव
ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। लंबे इंतजार के बाद आज जेवर क्षेत्र एक नए युग की शुरूआत करने जा रहा है। नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर वह कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन करने के साथ ही विमानों की मरम्मत के लिए बनने वाले एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) केंद्र का शिलान्यास भी करेंगे। इस बड़े आयोजन को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और करीब दो लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है, जिस पर लगभग 11200 करोड़ रुपये की लागत आई है। एयरपोर्ट का बुनियादी ढांचा पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन के बाद यहां घरेलू और कार्गो सेवाओं के साथ संचालन की शुरूआत होगी, हालांकि नियमित उड़ानों के शुरू होने में अभी कुछ समय लग सकता है। प्रधानमंत्री कार्यक्रम के दौरान टर्मिनल भवन का निरीक्षण भी करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इस समारोह में आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ और राम मोहन नायडू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। जनसभा के लिए एयरपोर्ट परिसर में तीन बड़े पंडाल बनाए गए हैं, जहां भारी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से शुरूआत में

केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें संचालित होंगी, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए यात्रियों को कुछ समय और इंतजार करना होगा। शुरूआती चरण में यहां से चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अहमदाबाद, जयपुर और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रतिदिन लगभग 65 उड़ानों के संचालन की योजना है, जबकि रनवे की क्षमता प्रति घंटे 30 उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग की है। इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और आकासा एयरलाइंस जैसी कंपनियां यहां से अपनी सेवाएं देंगी। समारोह में आने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। आम जनता का प्रवेश किशोरपुर गांव की ओर से होगा, जहां कई गेट बनाए गए हैं ताकि भीड़ का सुचारु प्रबंधन किया जा सके। वहीं, वीवीआईपी मेहमान यमुना एक्सप्रेसवे के 32वें किलोमीटर पर बने इंटरचेंज से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। करीब 20 हजार वाहनों के आने की संभावना को देखते हुए 12 पार्किंग स्थल तैयार किए गए हैं। फिलहाल एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए टैक्सी या निजी वाहन ही मुख्य विकल्प हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद से यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से आसानी से यहां पहुंचा जा सकता है। इंटरचेंज से एयरपोर्ट की दूरी मात्र 800 मीटर है और यह मार्ग एलिवेटेड होने के कारण बिना रुकावट के यात्रा संभव है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और हिंडन हवाई अड्डा पर दबाव कम होगा। साथ ही, यह क्षेत्र एक बड़े कार्गो हब के रूप में विकसित होगा, जिससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलंदशहर, आगरा और आसपास के जिलों के उद्यमियों को अपने उत्पादों के निर्यात में बड़ी सुविधा मिलेगी। यह परियोजना क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिम्स इंजीनियरिंग कॉलेज में 5वीं जगन्नाथ स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य आगाज, देशभर के विधि छात्र जुटे

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस ग्रेटर नोएडा के विधि विभाग द्वारा आयोजित 5वीं जगन्नाथ स्मृति मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2026 का प्रथम दिवस आज भव्य और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता संस्थान के प्रमुख शैक्षणिक आयोजनों में शामिल है, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित विधि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा के पूर्व न्यायाधीश डॉ. एन. के. बहल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विधि विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, तार्किक क्षमता और न्यायालयीन कौशल को विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह प्रतियोगिता संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता एवं निदेशक प्रो. (डॉ.) सचिन यादव के

मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर विधि विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता तथा रजिस्ट्रार डॉ. आर. एन. राजोटिया ने भी अपने विचार रखते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. सुधीर द्विवेदी के समन्वय में किया जा रहा है, जिनके नेतृत्व में प्रथम दिवस की सभी गतिविधियाँ सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुईं।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उद्घाटन सत्र के बाद रिसर्चर टेस्ट एवं प्रारंभिक (क्वालीफाइंग) दौर का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने अपने विधिक ज्ञान, अनुसंधान क्षमता और तर्कशक्ति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के उन्नत चरण 17 और 18 अप्रैल 2026 को जिम्स ग्रेटर नोएडा में ऑफलाइन आयोजित किए जाएंगे, जहां प्रतिभागी न्यायालयीन माहौल में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।
यह आयोजन संस्थान की उस प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिसके तहत विद्यार्थियों में वकालत कौशल, विधिक अनुसंधान और न्यायालयीन प्रस्तुति की उत्कृष्टता को निखारने पर विशेष जोर दिया जाता है।

जिला बार एसोसिएशन चुनाव: अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में, 31 मार्च को मतदान

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के वार्षिक चुनाव को लेकर शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए राजेन्द्र सिंह एडवोकेट, शेर सिंह और अभय सिंह उर्फ हैप्पी सहित तीन प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। चुनाव आगामी 31 मार्च को कराया जाएगा। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन ठाकुर चंद्रवीर सिंह गहलौत ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए करतार सिंह, संदीप कुमार, छतर पाल और इसरार उर्फ राजा ने नामांकन किया है। वहीं कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर तुषार चौधरी और विकास नारायण यादव ने पर्चा भरा है। महासचिव पद के लिए कोमल सिंह, गुलसिताब, मनोज कुमार शेट्टी, तेज सिंह सैनी और संजीव कुमार मैदान में हैं। संयुक्त सचिव (प्रशासनिक) पद पर शाहबाज अहमद, मोहित कुमार और मोहम्मद शारिक ने नामांकन किया है। कोषाध्यक्ष पद के लिए कविता

चौधरी, शबाना और प्रीति चौहान, सांस्कृतिक सचिव पद पर वंदना आजाद और पूजा ने पर्चा दाखिल किया। संयुक्त सचिव (लाइब्रेरियन) पद पर अभिषेक अग्रवाल, नितिन कुमार और राजीव धीमान उम्मीदवार हैं। वरिष्ठ गवर्निंग काउंसिल के लिए मोहम्मद आदिल अहमद, अजीत कुमार खन्ना, ईशाक मंसूर, हेमंत राजपूत, शमीम अख्तर, विश्वनाथ शर्मा, सतीश कुमार और अमित कुमार ने नामांकन कराया है। वहीं कनिष्ठ गवर्निंग काउंसिल पद पर नबील अहमद, आदित्य कुमार, मोहम्मद आकाश, संगीता कुमारी, परवेंद्र सिंह, जीशान आलम, हनुमान सिंह चौहान और मोहम्मद काशिद ने पर्चा दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन ठाकुर चंद्रवीर सिंह गहलौत, नरेन्द्र सिंह, ओमेंद्र त्यागी, बलवंत सिंह, धर्मपाल सिंह, वीरेन्द्र पाल सिंह और राजीव चौधरी सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे। चुनाव 31 मार्च को प्रातः 8 बजे से जिला जजी परिसर स्थित बार हॉल में संपन्न कराया जाएगा, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

दादरी रैली को लेकर सपा का जनसंपर्क तेज, कार्यकताओं में उत्साह

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी द्वारा 29 मार्च को दादरी में आयोजित होने वाली सामाजिक समानता भाईचारा रैली को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में पूर्व राज्यमंत्री प्रोफेसर सुधीर पंवार और जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी ने भैंसवाल, गढ़ी पुख्ता, भभीसा और सुन्ना सहित कई गांवों में जनसंपर्क कर रैली की तैयारियों का जायजा लिया। जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी ने बताया कि रैली की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सांसदों, विधायकों, विधानसभा अध्यक्षों तथा आनुषंगिक संगठनों के जिलाध्यक्षों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर रैली में शामिल होने वाले लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता अपने समर्थकों के साथ बड़ी संख्या में रैली में पहुंचेंगे। समाजवादी छात्र सभा के अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी ने बताया कि युवाओं में रैली को लेकर खासा उत्साह है। युवा अपने-अपने वाहनों से पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत करेंगे। बताया गया कि शामली से कार्यकर्ता बसों और निजी वाहनों के माध्यम से भैंसवाल रोड स्थित जिला कार्यालय से सुबह 9 बजे दादरी के लिए रवाना होंगे। प्रोफेसर सुधीर पंवार ने दावा किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में होने वाली यह रैली ऐतिहासिक साबित होगी, जिसमें गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह रैली प्रदेश की राजनीति में बदलाव की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

जटिल एवी फिस्टुला सर्जरी सफल, किडनी मरीजों के लिए नई उम्मीद

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज में एक जटिल आर्टेरियोवेनस (एवी) फिस्टुला सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। यह सफलता क्रॉनिक किडनी डिजीज से जूझ रहे मरीजों के लिए सुरक्षित और दीर्घकालिक उपचार का नया रास्ता खोलती है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार पिलखुवा क्षेत्र की एक महिला पिछले कई महीनों से क्रॉनिक किडनी डिजीज से पीड़ित थीं और जनवरी से सप्ताह में दो बार हीमोडायलिसिस ले रही थीं। मरीज टाइप 2 डायबिटीज से भी ग्रसित थीं, जिसके चलते उनकी रक्त वाहिकाएं बेहद कमजोर हो चुकी थीं। अस्पताल में भर्ती के दौरान उन्हें पूरे शरीर में सूजन, अत्यधिक थकान और नाजुक नसों जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिससे डायलिसिस के लिए उपयुक्त वैस्कुलर एक्सेस तैयार करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था।
प्रारंभिक चरण में मरीज का

डायलिसिस सेंट्रल वेनस कैथेटर के माध्यम से किया गया, जो केवल अस्थायी समाधान होता है और इसमें संक्रमण व थ्रोम्बोसिस जैसी जटिलताओं का खतरा अधिक रहता है। मरीज की दीर्घकालिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकीय टीम ने स्थायी समाधान एवी फिस्टुला निर्माण का निर्णय लिया।
एवी फिस्टुला को डायलिसिस के लिए गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है, जिसमें धमनी और शिरा को जोड़कर एक स्थायी रक्त प्रवाह मार्ग तैयार किया जाता है। इससे डायलिसिस के दौरान बेहतर रक्त प्रवाह मिलता है और संक्रमण की संभावना भी कम हो जाती है।
यह जटिल सर्जरी असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ. शिप्रा गर्ग ने सफलतापूर्वक संपन्न की। उन्होंने मरीज के बाएं ऊपरी अंग में ब्रैकियल आर्टरी और सेफेलिक वेन के बीच एनास्टोमोसिस कर एवी फिस्टुला तैयार किया। कमजोर नसों के बावजूद सर्जरी को अत्यधिक सटीकता और विशेषज्ञता के साथ पूरा किया गया।
सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। टीम में डॉ. खाव्या ए.आर., डॉ. मल्लिका, ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन अजय और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ शामिल रहे।
सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है और उन्हें जल्द ही नए एवी फिस्टुला के माध्यम से नियमित डायलिसिस की सुविधा मिलेगी। इससे उनके जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।
संस्थान प्रबंधन ने इस उपलब्धि को टीमवर्क, विशेषज्ञता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

सेंट मैरी चौराहे का नाम बदलकर हुआ भगवान परशुराम चौराहा, वैदिक रीति से हुआ शिलान्यास

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर ने शहर के प्रमुख सेंट मैरी चौराहे का नाम बदलकर भगवान परशुराम चौराहा कर दिया है। इस निर्णय को लेकर नगर में खासा उत्साह देखा गया। नाम परिवर्तन के उपरांत चौराहे पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा अर्चना कर शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आचार्य पंडित हीरामणि भारद्वाज ने विधि विधान से पूजन संपन्न कराया। नगर पालिका परिषद की चेयरमैन इंदिरा सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ बीरबल सिंह तथा पूर्व विधान परिषद सदस्य सुबोध पाराशर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने पूजा-अर्चना में सहभागिता करते हुए चौराहे के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पांच ईंटों का पूजन कर उन्हें निर्माण स्थल पर स्थापित किया गया, जिसे शुभारंभ का

प्रतीक माना जाता है। इसके उपरांत शिलापट का विधिवत अनावरण किया गया, जिस पर चौराहे का नया नाम 'भगवान परशुराम चौराहा' अंकित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, सभासद नीरज शर्मा, अमित ठाकुर, संजय विश्नोई, मनोज कुमार मनी, मनोरमा शर्मा, अभिषेक राणा, दीपक गर्ग 'मोनू', जुल्फकार 'बेबी' सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिलान्यास कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के साथ साथ अन्य समाजों के लोगों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिसने सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। इस दौरान डॉ पंकज भारद्वाज, विजय वशिष्ठ, शोभा शर्मा, अशोक शर्मा, डॉ कपिल शर्मा, सत्येंद्र अंगिरस, योगेश शर्मा (एवीआई), दिनेश शर्मा, अमरपाल शर्मा, रोहित भारद्वाज, विभोर कौशिक, सुनील भारद्वाज, संजीव शर्मा, चंद्रमणि सिंह, महानंद शर्मा, दिनेश शास्त्री, विजेंद्र सिंह और सभासद राजवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहें।

राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में सलोनी नागर ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

ग्रेटर नौएडा (शिखर समाचार)। फ्यूचर ऐकेडमी ग्रेटर नौएडा की कोच मुन्नी नागर ने बताया कि भुवनेश्वर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 में उत्तर प्रदेश की धाविका कुमारी सेलोनी नागर ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड बना दिया। सलोनी नागर ने यह दौड़ 53.73 सेकंड में पूरी कर पहला स्थान हासिल किया और भारत का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 53.89 सेकंड का था, जो पिंकी प्रामाणिक के नाम दर्ज था। सलोनी ने अपने दमदार प्रदर्शन से पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए भारतीय एथलेटिक्स में नया इतिहास रच दिया। सलोनी नागर मूल रूप से गांव धूम खेड़ा, दादरी गौतमबुद्ध नगर(पोस्ट झ यूपी पुलिस) की रहने वाली हैं। वह पिछले 7 वर्षों से ग्रेटर नोएडा स्थित "द एथलेटिक्स फ्यूचर अकादमी" में नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन के पीछे उनके कोच मुन्नी नागर का महत्वपूर्ण योगदान बताया जा रहा है, जिन्होंने लगातार मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देकर उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान ओडिशा की सुखी बास्के ने 55.67 सेकंड के समय के साथ प्राप्त किया, जबकि तीसरे स्थान पर तेलंगाना की प्रवालिका

नरिम रहीं, जिन्होंने 56.40 सेकंड में दौड़ पूरी की। वहीं कर्नाटक की उन्नथी बोल्लांड 56.45 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं।
सलोनी नागर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से दादरी और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र और देश के लिए गर्व का क्षण बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सेलोनी का यह प्रदर्शन आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए नई उम्मीदें जगाता है।

राम नवमी पर एचईई फाउंडेशन की पहल, बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

नोएडा (शिखर समाचार)। राम नवमी के पावन अवसर पर एचईई फाउंडेशन द्वारा आयोजित नवरात्रि विशेष पहल का कार्यक्रम सेक्टर 119 स्थित सामुदायिक भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरंग गर्ग और विकास झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्था की खुशबू झा और कृति प्रिया ने बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को दैनिक जीवन में अपनाई जा सकने वाली अच्छी आदतों के बारे में भी बताया, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। इस अवसर पर बच्चों को चित्रांकन एवं रेखाचित्र पुस्तिकाएं तथा खाद्य सामग्री वितरित की गई। साथ ही विभिन्न शिक्षाप्रद सत्रों और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों ने सीखने के साथ साथ आनंद भी प्राप्त किया। इस सामाजिक पहल को सफल बनाने में भविष्य एनजीओ का विशेष सहयोग रहा। इसके अतिरिक्त याशिका मित्तल गर्ग, वियोना गर्ग तथा टम्मी बडी के संस्थापक मुदित श्रीवास्तव ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को बेहतर अवसर प्रदान करने और उन्हें जागरूक बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान अंकुर तोमर, राहुल प्रकाश, हिमांशु सेंगर, शुभम पंडित, प्रशांत यादव, विकास थापा सहित अन्य सहयोगियों का भी सराहनीय योगदान रहा।

मनरेगा बचाओ संग्राम तेज, सूरजपुर में आज होगा सत्याग्रह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के मूल स्वरूप में बदलाव कर उसे तथाकथित "जी-राम-जी" में परिवर्तित किए जाने के विरोध में जिला व शहर कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर द्वारा "मनरेगा बचाओ संग्राम" के तहत लगातार जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में हाल ही में लखनऊ में आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान स्थानीय पुलिस-प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई में कई कार्यकर्ता और नेता घायल हुए, जिससे आक्रोश और बढ़ गया है। इसी के विरोध में कांग्रेस द्वारा शनिवार को जिला मुख्यालय सूरजपुर स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष शांतिपूर्ण सत्याग्रह (धरना) आयोजित किया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि यह आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जारी रहेगा।

दहेज की मांग न पूरी होने पर उत्पीड़न: मारपीट और छेड़छाड़ का गंभीर आरोप

रबूपुरा (शिखर समाचार)। दहेज के लिए एक विवाहिता के साथ मारपीट और छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। मथुरा की रहने वाली ममता भाटी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी करीब 9 साल पहले नगला करौली निवासी अवधेश के साथ हुई थी। शादी में उसके पिता ने करीब 10 लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने दहेज में स्कॉर्पियो कार की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता का कहना है कि 16 फरवरी को जब वह घर में अकेली थी, तभी उसके ससुर और दो चचिया ससुर ने गलत नीयत से पकड़कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। शोर सुनकर पहुंचे पति को भी आरोपियों ने बेरहमी से पीटा और बाद में दोनों को घर से निकाल दिया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई के बजाय समझौते का दबाव बनाया। बाद में पीड़िता ने मथुरा एसएसपी से गुहार लगाई, जिसके आदेश पर जीरो एफआईआर दर्ज की गई और मामला रबूपुरा कोतवाली स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है।

तेज रफ्तार ट्रक का कहर: पीछे से टक्कर मार बाइक सवार की मौत

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना कोट गांव के समीप की है, जहां बुलंदशहर के मोहाना गांव निवासी विनय कुमार (53) बाइक से अपने गांव जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विनय कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे अंशुल यादव की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार के अनुसार, आरोपी चालक की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है और जल्द ही गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

माजरा रोड बारातघर में सहकारी गन्ना विकास समिति की वार्षिक साधारण सभा आयोजित, किसानों ने रखे अहम सुझाव

शामली। (शिखर समाचार) शहर के माजरा रोड स्थित एक बारातघर में सहकारी गन्ना विकास समिति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधियों और डेलीगेट्स ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। सभा के दौरान किसानों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से रखा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सभापति विक्रांत निर्वाल उर्फ छोटा ने किया। सभा में समिति क्षेत्र के किसानों को पूर्व वर्षों में वितरित किए गए उर्वरक और कीटनाशकों की वसूली पर चर्चा हुई। बताया गया कि समय पर वसूली न होने के कारण मूलधन से अधिक ब्याज बढ़ गया है। इस पर किसानों ने समिति हित में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने की मांग उठाई, जिससे किसानों को राहत मिल सके। डेलीगेट विजय कुमार ने गांव बंतीखेड़ा की समस्या उठाते हुए कहा कि वहां खाद्य गोदाम की कमी है। किसानों को समय पर जानकारी नहीं मिल पाती, जिससे गोदाम पर पहुंचते-पहुंचते यूरिया और डीएपी जैसी खाद समाप्त हो जाती है। उन्होंने क्षेत्र में नए खाद गोदाम के निर्माण की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए सभापति विक्रांत निर्वाल ने सभी डेलीगेट्स से समिति और किसान हित में अधिक से अधिक सुझाव देने की अपील की, ताकि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके। इस अवसर पर एसडीआई प्रेमनारायण शुक्ला, सचिव ओमप्रकाश, उपसभापति गौरव कुमार, राजू निर्वाल, विनोद कुमार, राजबीर सिंह, सुधीर, योगेंद्र, सतेंद्र सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

जम्मू कश्मीर विधानसभा में हंगामा : राजनीतिक टकराव से नीति संकट तक

जम्मू कश्मीर विधानसभा में बजट सत्र के दौरान हुआ हालिया हंगामा केवल एक सामान्य राजनीतिक विरोध नहीं माना जा सकता, बल्कि यह उस जटिल राजनीतिक परिदृश्य का प्रतीक है, जहां स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे एक साथ टकराते नजर आ रहे हैं। सदन में जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नारेबाजी हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ तथा समर्थन में आवाजें उठीं, उसने साफ संकेत दिया कि आने वाले समय में राजनीति और अधिक उग्र और टकरावपूर्ण हो सकती है। यह स्थिति न केवल लोकतांत्रिक मयार्दाओं के लिए चुनौती है, बल्कि शासन व्यवस्था और विकास कार्यों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।

बजट सत्र किसी भी सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवसर होता है, जहां वह अपनी नीतियों, योजनाओं और विकास की दिशा को स्पष्ट करती है। लेकिन जम्मू कश्मीर में यह सत्र अपने मूल उद्देश्य से भटकता नजर आया। विपक्षी दलों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को उठाते हुए सदन में जोरदार विरोध दर्ज कराया, जबकि सत्तापक्ष ने इसे स्थानीय विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। इस दौरान जिस तरह से सदन में शोर-शराबा हुआ, उसने यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या अब लोकतांत्रिक संस्थाएं केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बनकर रह जाएंगी। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का प्रभाव अब सीधे तौर पर स्थानीय राजनीति में देखने को मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यह प्रवृत्ति और भी अधिक जटिल हो जाती है। यहां की राजनीति पहले ही ऐतिहासिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से घिरी हुई है, ऐसे में वैश्विक मुद्दों को लेकर होने वाला टकराव स्थानीय असंतुलन को और बढ़ा सकता है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि राजनीतिक दल अब अपने-अपने एजेंडे को मजबूत करने के लिए हर संभव मुद्दे का उपयोग कर रहे हैं, चाहे उसका सीधा संबंध स्थानीय जनजीवन से हो या नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी और उसके जवाब में सत्तापक्ष की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि केंद्र और क्षेत्रीय राजनीति के बीच खाई अभी भी बनी हुई है। जम्मू कश्मीर का प्रशासनिक ढांचा, जो वर्तमान में केंद्रशासित प्रदेश के रूप में संचालित हो रहा है, उसमें केंद्र सरकार की भूमिका पहले से अधिक प्रभावशाली है। ऐसे में जब भी कोई राजनीतिक विवाद खड़ा होता है, तो उसका सीधा असर केंद्र राज्य संबंधों पर पड़ता है। यह स्थिति न केवल राजनीतिक तनाव को बढ़ाती है, बल्कि विकास कार्यों की गति को भी प्रभावित कर सकती है।

इस हंगामे के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण क्षेत्रीय असंतुलन का मुद्दा भी है। जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के बीच विकास, संसाधनों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। बजट सत्र के दौरान भी यह असंतुलन स्पष्ट रूप से सामने आया, जब विभिन्न दलों ने अपने अपने क्षेत्रों के हितों को लेकर आवाज उठाई। यह स्थिति बताती है कि केवल राजनीतिक बयानबाजी से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि इसके लिए ठोस और संतुलित नीतियों की आवश्यकता है। आने वाले समय में इस घटनाक्रम के कई प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। सबसे पहला असर यह होगा कि विधानसभा का शेष सत्र भी हंगामेदार रहने की संभावना है। विपक्ष अपनी रणनीति के तहत सरकार को घेरने की कोशिश करेगा, जबकि सत्तापक्ष अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेगा। इस टकराव के बीच आम जनता के मुद्दे कहीं पीछे छूट सकते हैं, जो लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

~ मौलिक चिंतन ~

अज्ञानी और अल्प ज्ञानी वाचाल होता है, जो हर वक्त खुद को विद्वान साबित करने की कोशिश करता है।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वातार्लाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्ल अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम्‍ किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम्‍ की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।
~~~~~~~~

मिल सकती है फूलों-सी कोमल काया

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें, साथ ही यहां दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करें। इससे आपकी त्वचा कांतिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहें दूर

तनाव कई प्रकार के होते हैं। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती हैं और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पडता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती हैं तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पडता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती हैं उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहें। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करें। आप अगर खुश रहेंगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरें। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करें भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती हैं। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करें कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पडता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती हैं उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती हैं। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुडियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोडा-थोडा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करें।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करें। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती हैं और खुश रहती हैं तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फ आपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती हैं कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करें। फिर ऐसे ही छोड दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं। फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करें। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती हैं तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती हैं।

कुकुम्बर सबमरीन

सामग्री : 5 ककड़ी, 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1 छोटी गाजर कद्दूकस की हुई, 1 शिमला मिर्च, 1 बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि : ककड़ी को छीलकर बीच में से लंबाई में काटकर उसके दो टुकड़े कर लें और अंदर का गूदा निकाल लें। अब ककड़ी का गूदा पनीर, कटी हुई शिमला मिर्च, टमाटर व गाजर- इन सबको मिला लें। नमक व कालीमिर्च डालें और फिर इस मिश्रण को ककड़ी में भर दें।

हेयर स्टाइल से जगाएं आत्मविश्वास

बाल चाहे किसी भी प्रकार के हों, उनका सुंदर और स्वस्थ होना आपमें आत्मविश्वास पैदा करता है। सही ढंग से संवारे गए बाल भी आपको बेहतर रूप प्रदान करते हैं। शर्त यह है कि वह आपके व्यक्तित्व पर सूट करते हों। कैसा हेयर स्टाइल चलन में है, इसे लेकर परेशान होने से बेहतर होगा कि ऐसा हेयर स्टाइल अपनाएं, जो आपके व्यक्तित्व के अनुकूल हो और आप जिसे संभाल व संवार सकें। कोई नया स्टाइल तभी अपनाएं जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ रख सकें।

- बालों के स्टाइल के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यही तीन-चार प्रकार के स्टाइल चलन में हैं। हर तरह के स्टाइल आज चलन में हैं। आप अपने बाल कैसे संवारें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपके सौंदर्य को बढा रहा है या फिर घटा रहा है।
- स्ट्रेट बाल आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सेमी या परमानेंट स्ट्रेटनंग करा सकती हैं। इसके बाद बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। दरअसल, बालों में किसी भी तरह का केमिकल इस्तेमाल होने से वे कमजोर और पहले से अधिक रूखे हो जाते हैं। उनकी कंडीशनिंग बहुत आवश्यक होती है।
- हलके घुंघराले बालों को खुला छोडा जा सकता है। यह स्टाइल वेस्टर्न आउट फिट्स पर जंचता है।
- बाल लंबे और सीधे हों तो उन्हें खुला भी छोड सकती हैं या फिर पोनी भी बना सकती हैं।
- शाम के किसी कार्यक्रम के लिए फ्रेंच बन भी अच्छा लगता है।

बिंदास आर्टिफिशियल कड़े

आजकल आर्टिफिशल कड़ें महिलाओं को काफी लुभा रहे हैं। अब ये हर रंग हर डिजाइन में मार्केट में उपलब्ध है, जिन्हें आप अपने ड्रेस को साथ मैचिंग कर पहन सकती हैं। बेशक सोने और हीरे के कंगन महिलाओं का पसंदीदा आभूषण रहा है, लेकिन इनकी भी महत्ता कम नहीं है। कॉलेज जानेवाली लड़कियां ही नहीं, शादीशुदा युवा महिलाएं भी आर्टिफिशल कड़ों से बिंदास लुक पाती हैं। तरह-तरह के डिजाइन, आकार व कार्विंग लिए ये कड़े देखने में बेहद ट्रेंडी और लुभावने लगते हैं। विभिन्न राज्यों में बनाये जा रहे मेटल, लाख व मोती जड़ित इन कड़ों की अपनी अलग ही दुनिया है। अपनी कलाई के सौंदर्य को और भी निखारने के लिए आप भी इन्हें पहन सकती हैं। साथ ही प्रिंटेड, पेंटिंग लिए व सॉटर्न के धागों में लिपटे ये कड़े बेहद खूबसूरत लगते हैं। आपकी साड़ी या सूट से मैच करते हुए ये कड़े आपको फैशनेबल बनायेंगे, इसमें कोई शक नहीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3841

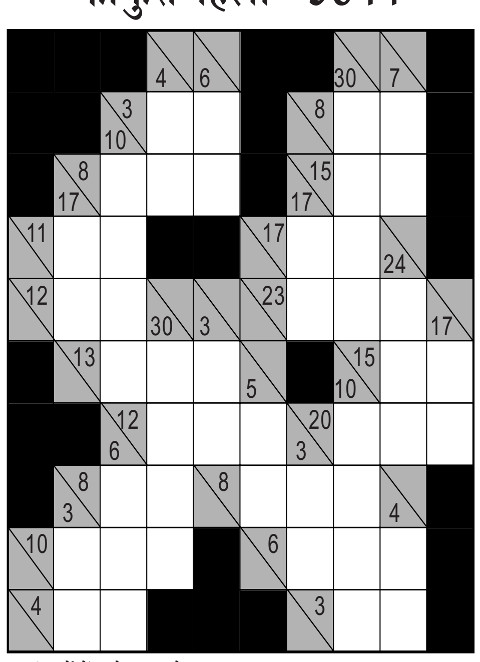

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

16/23 → 1 2 3 4 6; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3840 का हल

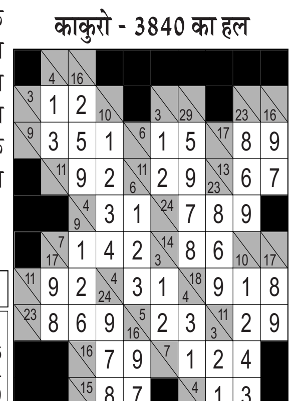

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?

मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

□ □ □

अध्यापक (राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.

राजेश: सर, परीक्षाफल.

□ □ □

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.

अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

□ □ □

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.

दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

□ □ □

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?

तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.

बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3841

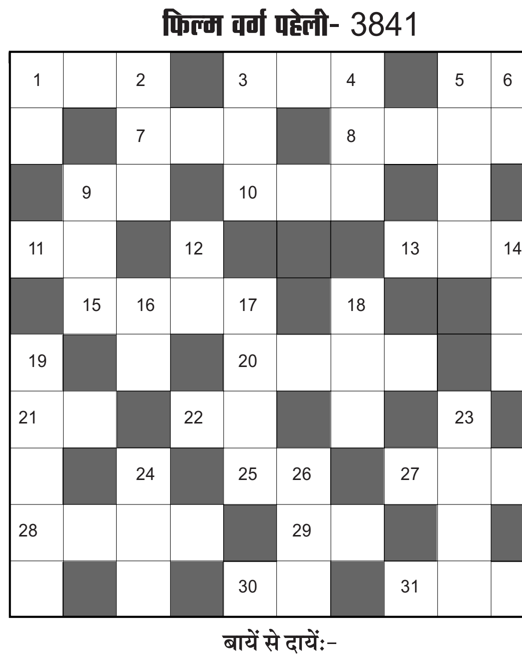

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेंद्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3840

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	ना
श्ता		शू		वा	स्त	व		नू	
	दि	ल	ज	ले		ता	श		प्रि
	ह्न		ख्म		आ	र	जू		य
सं	गी	त		खु	शी		चा	ह	त
ग		ला	वा		र्वा		चा		मा
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
	मा		रं	ग		ना	ग	म	णि

सूडोकु -3841

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3840 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 3841

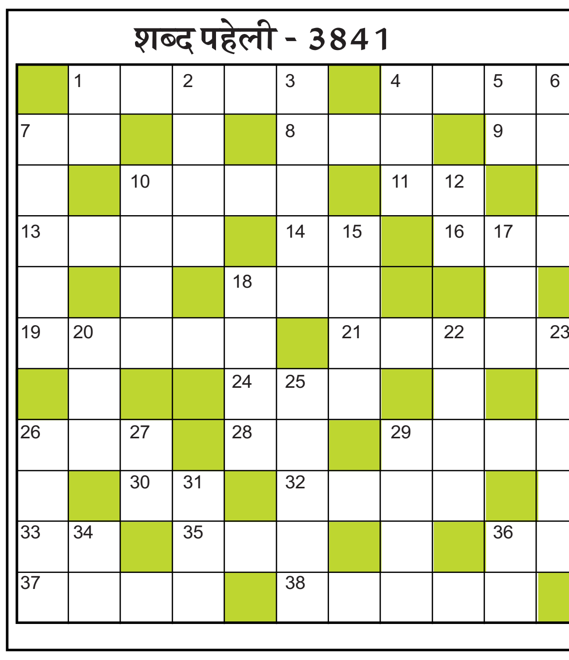

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -3840 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली। ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपया 86 पैसे टूटकर 94.82 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भी बाजार की अनिश्चितता को बढ़ाया, जिसका असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल करेंसी पर दबाव बना रह सकता है। मालूम हो कि पिछले कुछ कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपये में भारी गिरावट देखी गई है। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 94.18 के स्तर पर खुला और कारोबार के दौरान पहली बार 94.50 के पार निकल गया। अंत में यह और फिसलकर नए रिकॉर्ड लो 94.82 पर बंद हुआ। इससे पहले बुधवार यानी 25 मार्च को भी रुपया 20 पैसे टूटकर 93.96 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार को रामनवमी के कारण बाजार बंद रहे थे। रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है। मंगलवार को रुपया 23 पैसे कमजोर होकर 93.76 पर बंद हुआ था। बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.94 पर खुला और 93.86 से 94.08 के बीच कारोबार करने के बाद अपने अब तक के सबसे निचले बंद स्तर पर पहुंचा। मध्य पूर्व में जारी तनाव भी रुपये पर दबाव डाल रहा है।गिरावट के प्रमुख कारणरुपये की इस लगातार गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पूंजी की लगातार निकासी एक बड़ा कारक है। इसके साथ ही, ईरान में जारी संकट और व्यापक मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इन कारकों के चलते रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है।2011-12 के बाद रुपए में सबसे बड़ी गिरावटभारत का वित्त वर्ष अप्रैल से मार्च तक चलता है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक से भी ज्यादा

समय में यह पहली बार है, जब रुपया एक ही साल में इतना ज्यादा गिरा है। इससे पहले साल 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 31 मार्च 2025 से अब तक रुपया अपनी वैल्यू से 10 प्रतिशत तक गिर चुका है।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली । कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते* पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर

तक भी जा सकता है।

यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्गमों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा फाइनैंशियल सर्विसेज ने 3,000 करोड़ रुपए जुटाए। इसके विपरीत क्यूआईपी निर्गम में तेज गिरावट आई। वित्त वर्ष 2026 में 29 फर्मों ने क्यूआईपी के माध्यम से 62,954 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल 85 फर्मों ने 1.31 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गिरावट के पीछे बाजार में अस्थिरता और निवेशकों की कम रुचि प्रमुख कारण मानी जा रही है। निवेश बैंकरों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क, वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ी कीमतों के कारण निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई। इक्विरस कैपिटल के भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्गम 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेंट बैंकर नियुक्त करने की

बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 9,999 रुपए से

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अे धिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

पश्चिम एशिया संकट भारत में एमएसएमई को कर्ज भुगतान में मोहलत की संभावना

नकदी प्रवाह पर असर, बैंकिंग क्षेत्र ने सुझाव दिया राहत

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत समेत दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर दिख रहा है। ऐसे समय में बैंकरों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि नकदी प्रवाह में आई अड़चन से निपटने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) और मझोले आकार की कंपनियों को कर्ज भुगतान में अस्थायी मोहलत दी जाए। बैंकरों का कहना है कि इससे कंपनियों की संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित ढांचा स्वेच्छा पर आधारित होगा, यानी कर्जदार अपने आप राहत का लाभ उठा सकेंगे। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इस तरह की व्यवस्था लागू की गई थी, जिससे कारोबारों को नकदी प्रवाह में आई रुकावट का सामना करने में मदद मिली थी। अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहता है तो इसी तरह की राहत पर फिर विचार किया जा सकता है।

सरकारी बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुजरात के मोरबी में सिरेमिक क्लस्टर पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है, क्योंकि टाइल निर्माण पूरी तरह गैस पर निर्भर है।

इसके अलावा कांच उद्योग, खासकर चूड़ियां बनाने वाले उद्योग और पश्चिम एशिया पर निर्भर चावल निर्यातक प्रभावित हो रहे हैं।

उर्वरक उद्योग को भी वैश्विक संकट के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आरबीआई और केंद्र सरकार इस विशेष स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। बैंकिंग नियामक ने बैंकों से संकट प्रभावित उद्योगों में उनके निवेश का आंकड़ा मांगा है।

अधिकारी ने कहा कि अगर हालात लंबे समय तक बने रहते हैं

तो कर्जदारों को एक-दो महीने या स्थिति सामान्य होने तक राहत दी जा सकती है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली । अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्टेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली ।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल्ले ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ। इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल्ले ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डल्ले ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल्ले ला सुपर

यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ले ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला।

इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं।अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता।

इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

मुचोवा को हराकर गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होगा सामना

फ्लोरिडा (एजेंसी)। दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। नंबर 13 सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर मियामी की रहने वाली यह खिलाड़ी अपने छठे डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुंचने के बाद, अपने 12वें WTA खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। शुरुआत में एक ब्रेक गंवाने के बाद, गॉफ ने आखिरी 13 में से 12 गेम जीतकर एक घंटे 20 मिनट में जीत हासिल की; इस जीत की खास बात यह थी कि उन्होंने मुचोवा की सर्विस को छह बार ब्रेक किया।

अब वह चेक खिलाड़ी के खिलाफ छह मैचों में अजेय हैं और 2026 में दो बार उन्हें हरा चुकी हैं। गॉफ ने सीजन की अपनी शुरुआत के बारे में प्रेस से कहा, 'इस साल मेरे कुछ मैच काफी मुश्किल रहे, लेकिन यह पिछले साल से बेहतर है। मुझे लगता है कि यह सब मेरे खेल को बेहतर बनाने और उसे और मजबूत करने की कोशिश का नतीजा है और मुझे लगता है कि सुधार हो रहे हैं खासकर मेरे फोरहैंड में, मैं इस बात से खुश थी कि पूरे टूर्नामेंट में मेरा खेल कैसा रहा।'

शनिवार के फाइनल में गॉफ का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा जिन्होंने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में एलेना रायबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया था। गॉफ का सबालेंका से 12 बार मुकाबला हुआ है, हाल ही में 2025 में मैड्रिड फाइनल, रोलां गैरो फाइनल और WTA फाइनल रियाद ग्रुप स्टेज में; जिसमें फ्रांस में हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने जीत हासिल की थी। सबालेंका और गॉफ़ के बीच टूर-लेवल पर अब तक 12 मुकाबले हुए हैं, जिनमें दोनों ने 6-6 जीत हासिल की हैं।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

–पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, विक्की ओस्टवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स को सस्ते में मिल गए वैभव सूर्यवंशी !, रखा था इतने करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के साथ IPL में शुरुआत और भारतीय युवा टीम में पिछले एक साल से सुर्खियों में रहे 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर IPL फ्रेंचाइजी ने खुलासा किया कि उनके लिए 10 करोड़ तक का बजट अलग रखने की योजना बनाई थी। हालांकि राजस्थान को सूर्यवंशी बेहद सस्ते में मिल गए और उन्होंने इसके लिए 1.1 करोड़ ही चुकाने पड़े।

वैभव ने महज 12 साल की उम्र में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। इसके बाद 13 साल की उम्र में IPL ऑक्शन में बिके और 14 साल की उम्र में अपने पहले ही सीजन में 35 गेंदों में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए। हाल ही में उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी जीता।

राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट जुबिन भरुचा ने ट्रायल को याद करते हुए कहा कि अक्टूबर 2024 में ट्रायल के दौरान ही वैभव ने सबका ध्यान खींच लिया था। वैभव ने पहली गेंद को जिस तरह से खेला उससे उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की याद दिला दी। वैभव ने ट्रायल के दौरान 6 फीट लंबे तेज गेंदबाजों का सामना किया। एक गेंदबाज ने 157 KPH की रफ्तार से गेंद डाली जिसे वैभव ने सीधे साइटस्क्रीन के ऊपर छक्का जड़ दिया। इतनी तेज गेंद पर इतनी आसानी से छक्का मारना सामान्य नहीं है, वो भी इतनी कम उम्र में।

IPL 2026 में अब सूर्यवंशी के सामने बड़ी चुनौती खुद को लगातार बेहतर बनाते हुए हर परिस्थिति में रन बनाने की होगी। आईपीएल का आगाज शनिवार 28 मार्च से हो रहा है जबकि राजसथान रॉयल्स की टीम 30 मार्च को अपने अभियान की शुरूआत करेगी जहां उसका सामने चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेस्मेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें।

नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है।टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।इससे पहले हैरी ब्रुक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है।टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है।नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे।डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है।उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हसिल करेंगे।जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है।उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में हैं।विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2016 के सत्र में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे।उस सत्र में उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए थे और अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया था हालांकि तब वह टीम को खिताब नहीं जिता पाये थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुरुआती दो मैचों में विफल रहने के बाद उन्होंने अच्छी वापसी करते हुए पिछले 9 मैचों में 4 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे।इससे साफ है कि वह लय में है।लीग के पिछले सत्र में भी विराट सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। तब उन्होंने 15 पारियों में 657 रन बनाए थे।इस दौरान उनका औसत 54.75 और स्ट्राइक रेट 144.71 रहा था। उन्होंने पूरे सत्र में 8 अर्धशतक लगाए थे।आरसीबी को लीग में पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है।इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है।उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 24 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक के साथ ही 805 रन बनाए थे। विराट ने अब तक दो बार ऑरेंज कैप जीती थी।

सैफ अंडर–20 चैंपियनशिप : भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर

माले ।ओमांग डोडुम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3–0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर–20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरनाज सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी विशाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1–0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहेइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया।दूसरे हाफ में ओमांग डोडुम ने खेल पर कब्ज़ा जमाया।64वें मिनट में उन्होंने रिकी की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दोगुनी की।88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनल्टी में गिराए जाने पर डोडुम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3–0 किया।डोडुम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर ।भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं।इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं।इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

मुम्बई ।आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे।अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है।भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है।इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं1 आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है।उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं।इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली ।इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है।नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी।इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है।आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है।हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है।आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है।उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है।उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी।आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग–अलग खेल संघों द्वारा अलग–अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके।गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था।हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है।इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत के स्टार हॉकी खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने लिया संन्यास, ओलंपिक्स में जीत चुके हैं पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया अवार्ड्स समारोह के दौरान अपने संन्यास की घोषणा की। 31 वर्षीय इस भारतीय हॉकी खिलाड़ी ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और 33 गोल किए।

26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत सिंह जूनियर हॉकी रैंक में तेजी से आगे बढ़े और अपनी गति तथा तेज सूझ-बूझ से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने भारतीय हॉकी के सबसे यादगार पलों में से एक में अहम भूमिका निभाई। 2016 में लखनऊ में जूनियर एफआईएच विश्व कप की जीत।

फाइनल में गोल करके भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने के बाद उन्होंने 2017 में अपना सीनियर अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और भारतीय आक्रमण पंक्ति के मुख्य खिलाड़ी बन गए। गुरजंत सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का एक अहम हिस्सा थे। गुरजंत ने भारत को एशियाई खेल 2023 और 2017 एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी मदद की, साथ ही कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब भी जीते।

2021 में उन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आज यहां अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत सिंह ने कहा, 'मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे सीनियर खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर की थी और उनके साथ भारत के लिए खेलने का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी बात है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतोष महसूस हो रहा है। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गौरवान्वित व्यक्ति के रूप में विदा ले रहा हूं।'

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे-गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे-टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे-अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलब्रदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफ़ूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ़सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।
बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

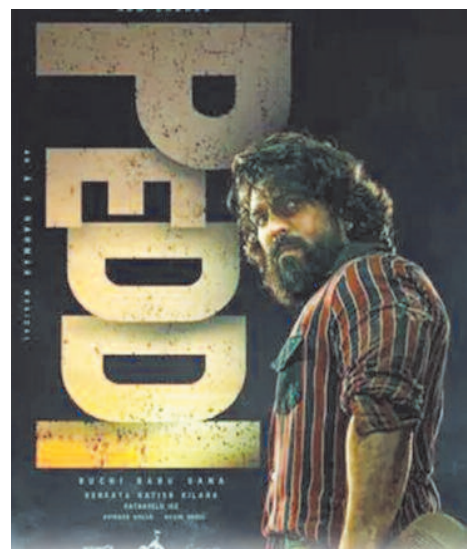

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेनः चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में यहूदी संस्था की एंबुलेंस में आग, दो आरोपी गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक यहूदी संस्था की चार एंबुलेंस को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी उम्र 45 और 47 साल है। यह घटना गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय रहता है। पुलिस इस हमले को यहूदी विरोधी नफरत से जुड़ा अपराध मानकर जांच कर रही है। आग लगने से एंबुलेंस में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर फट गए, जिससे पास की इमारत को भी नुकसान हुआ। पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है।

नाइजीरिया में हमला : 10 सुरक्षाकर्मी और एक नागरिक की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य केब्बी में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें नौ सैनिक, एक पुलिसकर्मी और एक आम नागरिक की मौत हो गई। यह हमला उस समय हुआ जब सुरक्षाबल एक संभावित हमले की सूचना पर कार्रवाई करने जा रहे थे। सरकारी प्रवक्ता याहया सार्की के अनुसार, यह घटना शांगा इलाके में देर रात हुई। आतंकियों ने अचानक हमला करके भारी नुकसान पहुंचाया और कुछ वाहनों को भी जला दिया। हमले के बाद इलाके में डर का माहौल है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि दोषियों को जल्द पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इटली की पर्यटन मंत्री का इस्तीफा

रोम, एजेंसी। इटली में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार को बड़ा झटका लगा है। देश की पर्यटन मंत्री डेनिएला सैंटांचे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब सरकार को न्यायिक सुधारों पर हुए जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में हार का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री मेलोनी ने खुद सैंटांचे से इस्तीफा देने को कहा था। इससे पहले न्याय मंत्रालय के दो अधिकारी भी इस्तीफा दे चुके थे। यह पूरा मामला सरकार की छवि और नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहा है। डेनिएला सैंटांचे पहले से ही कई कानूनी मामलों में फंसी हुई थीं, जिनमें फर्जी अकाउंटिंग और धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। 2023 में भी उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन तब वे बच गई थीं। अपने इस्तीफे में सैंटांचे ने कहा कि उन्हें दुख है कि उनका कार्यकाल इस तरह खत्म हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वे दूसरों की गलतियों का दोष अपने ऊपर नहीं लेना चाहतीं। इस रेफरेंडम में सरकार के प्रस्ताव को जनता ने खारिज कर दिया, जिससे मेलोनी सरकार की मजबूती पर सवाल उठने लगे हैं।

उत्तर कोरिया पहुंचे बेलारूस के राष्ट्रपति, किम जोंग से करेंगे बात

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको बुधवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंचे। यहां वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने पर बातचीत करेंगे। बेलारूस की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, प्योंगयांग हवाई अड्डे पर लुकाशेंको का स्वागत उत्तर कोरिया के वरिष्ठ अधिकारी किम तोक हुन ने किया, जिन्हें हाल ही में उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

सारा मुलाली बनीं चर्च ऑफ इंग्लैंड की पहली महिला आर्कबिशप

लंदन, एजेंसी। कैंसर नर्स से पादरी बनीं 63 वर्षीय सारा मुलाली ने बुधवार को आर्कबिशप ऑफ कैंटरबरी के रूप में अपने सार्वजनिक मंत्रालय की शुरुआत की। वे चर्च ऑफ इंग्लैंड का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं। यह समारोह फीस्ट ऑफ द एनन्सिएशन के दिन आयोजित किया गया। मुलाली दुनिया भर के 10 करोड़ से अधिक एंग्लिकन सदस्यों की आध्यात्मिक नेता होंगी। समारोह में प्रिंस विलियम, प्रिंसेस कैथरीन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

रूस-यूक्रेन जंग में मारे गए जिम्बाब्वे के 15 नागरिक

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे सरकार ने बताया कि उसके 15 नागरिक रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए हैं। इन लोगों को नौकरी का झांसा देकर युद्ध में भेजा गया था। सरकार के अनुसार, फर्जी एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए लोगों को अच्छे वेतन और सुरक्षित काम का लालच देती हैं, लेकिन बाद में उन्हें जबरन युद्ध में झोंक दिया जाता है। कई लोगों के पासपोर्ट भी छीन लिए जाते हैं। जिम्बाब्वे अब बचे हुए 66 नागरिकों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। अफ्रीका के कई देशों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे चिंता बढ़ गई है।

बदलते वैश्विक हालात में अमेरिका की मुश्किलें बढ़ीं, चीन-रूस बने बड़ी चुनौती

वॉशिंगटन , एजेंसी। वैश्विक हालात में तेजी से बदलाव के बीच अमेरिका अब एक साथ दो परमाणु खतरों–चीन और रूस का सामना कर रहा है। यह बात शस्त्र नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के अवर सचिव थॉमस डिनानो ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान सांसदों से कही। डिनानो ने कहा कि मौजूदा खतरे का माहौल एक ऐतिहासिक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें वाशिंगटन को बीजिंग और मॉस्को दोनों से एक साथ परमाणु चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा छोटे परमाणु देशों से भी खतरे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक हथियार नियंत्रण ढांचे अब मौजूदा भू-राजनीतिक और तकनीकी चुनौतियों के पैमाने और जटिलता को संभालने में सक्षम नहीं हैं। डिनानो ने कहा, 'एक नामांकित अधिकारी के रूप में मैंने ऐसे हथियार नियंत्रण समझौते तलाशने का संकल्प लिया है, जो सत्यापन योग्य और लागू करने योग्य हों तथा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करें।' उन्होंने यह भी बताया कि उनका कार्यालय पुराने तंत्र को आधुनिक बनाने पर ध्यान दे रहा है। मौजूदा संधियां आज की वास्तविकताओं को, खासकर अमेरिका के विरोधियों की बढ़ती परमाणु क्षमताओं के संदर्भ में नहीं दर्शातीं। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अंतिम प्रमुख संधि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'न्यू स्टार्ट ने सिर्फ अमेरिका को रोका, जबकि रूस को एक बड़ा थिएटर-रेंज्ड न्यूक्लियर हथियार बनाने और बनाए रखने की इजाजत दी।' उन्होंने सरकार के एक्सपायर हो चुके समझौते से आगे बढ़ने के फैसले का बचाव किया। डिनानो ने कहा कि सरकार अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए समझौते के दृष्टिकोण के हिसाब से अपडेटेड फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जो लागू करने लायक हों और उभरते खतरों के हिसाब से ढल सकें। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ने एक नई संधि की मांग की और कहा कि भविष्य के अरेंजमेंट में तकनीकी बदलाव और बड़े रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का ध्यान रखना होगा।' अपने कार्यालय के दायरे को समझाते हुए डिनानो ने कहा कि स्टेट डिपार्टमेंट का विस्तारित 'टी फैमिली' ढांचा अब हथियार नियंत्रण, परमाणु अप्रसार, आतंकवाद-रोधी प्रयास और राजनीतिक-सैन्य मामलों जैसे प्रमुख सुरक्षा कार्यों को एकीकृत करता है। उन्होंने कहा, 'इस पुनर्गठन से विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा कार्यों का एकीकरण हुआ है और इससे निर्यात नियंत्रण, प्रतिबंधों के पालन और संधि सत्यापन में बेहतर समन्वय संभव हुआ है।' उन्होंने कहा, 'रीऑर्गेनाइजेशन ने विभाग के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कामों को मजबूत किया है। नया स्ट्रक्चर एक्सपोर्ट कंट्रोल, बैन लागू करने और ट्रीटी वेरिफिकेशन में सहयोग को बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया कि उनकी टीम बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले हथियारों के फैलाव को रोकने से लेकर हथियारों की बिक्री को मैनेज करने और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी में सहयोग करने तक के बड़े पोर्टफोलियो की देखरेख करती है। डिनानो ने कहा, 'हमारी टीम सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार को रोकने से लेकर आतंकवाद से मुकाबला करने तक राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम करती है।' उन्होंने कहा, 'राज्य विभाग में हमारा मकसद कूटनीति को आगे बढ़ाना और गठबंधनों का प्रभावी प्रबंधन करना है।' इसके साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी के खतरों से निपटने के लिए सूचना साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया। यह बात ऐसे समय में आई है जब ग्लोबल हथियार कंट्रोल फ्रेमवर्क पर दबाव बढ़ रहा है। न्यू स्टार्ट संधि के खत्म होने से अमेरिका और रूस के रणनीतिक हथियारों पर लगी लिमिट हट गई है, जिससे हथियारों की नई रेस की चिंता बढ़ गई है। इसके साथ ही चीन का बढ़ता न्यूक्लियर प्रोग्राम ने नए बहुपक्षीय समझौता बनाने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया है। यह किसी भी बाइंडिंग हथियार कम करने के फ्रेमवर्क से बाहर है। यह एक ज्यादा बिखरे हुए और अनिश्चित ग्लोबल न्यूक्लियर ऑर्डर की ओर बदलाव का संकेत है।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था। हाल ही में आयोजित रिपब्लिकन कार्यक्रम में उन्होंने ऐसा दावा किया है। हालांकि, इस पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप का बयान ऐसे समय पर आया है, जब खबरें हैं कि ईरान की तरफ से अमेरिका की युद्धविराम की मांग को खारिज कर दिया गया है। ट्रंप ने पाकिस्तान के जरिए ये मांगें ईरान तक पहुंचाई थीं। ट्रंप ने दावा किया, 'उनकी बहुत ज्यादा इच्छा समझौता करने की है, लेकिन ऐसा कहने से डर रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें उनके लोग ही मार देंगे। उन्हें इस बात का भी डर है कि वो हमारे हाथों मारे जाएंगे। ट्रंप ने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश का ऐसा कोई नेता नहीं रहा होगा, जो ईरान का प्रमुख बनने से इतना बचना चाहता हो। हमने उन्हें साफ तौर पर कहते सुना है। वे कहते हैं, मुझे यह पद नहीं चाहिए। हम आपको अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, तो वे कहते हैं, नहीं, शुक्रिया। मुझे यह नहीं चाहिए।'

ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी। अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है।

अमेरिका का दावा- बात जारी है

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं।

27 दिन से बमबारी जारी, दांव पर ट्रंप की इज्जत; शांति बहाली के कोशिश में वेंस के पाकिस्तान जाने की अटकलें

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से छिड़ी जंग 27वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से दावा किया है कि तेहरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ युद्ध रोकने को लेकर बातचीत जारी है। हालांकि, ईरान की ओर से संघर्ष विराम को लेकर बातचीत से इनकार किया गया है। युद्ध रोकने के दावों और इनकार की इस हुज्जत में ट्रंप की इज्जत दांव पर लग गई है।

वहीं, कई अंतराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज कर दी गई हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता करने जा सकते हैं। इस्लामाबाद में शांति वार्ता की अटकलें रिपोर्ट्स के अनुसार संघर्ष विराम के लिए इसी हफ्ते इस्लामाबाद में जेडी वेंस एक उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वेंस के साथ अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर भी इस बैठक में शामिल होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस ओर संकेत दिए थे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका के साथ शांति वार्ता के लिए जेडी वेंस को अपनी पहली पसंद बताया है। ईरान के अधिकारियों ने कहा कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ या जेरेड कुशनर के साथ बातचीत नहीं करना चाहता। जेडी वेंस से ही क्यों बात करना चाहता है ईरान? ईरानी अधिकारियों ने साफ किया कि पिछली बार इन नेताओं के साथ बातचीत के कुछ ही समय बाद तेहरान पर सैन्य हमले शुरू हो गए थे। ईरान की ओर से इन अधिकारियों पर भरोसा नहीं जताया गया है। वहीं, जेडी वेंस पहले से ही मध्य पूर्व के संघर्षों में अमेरिका के उलझने के खिलाफ साफ रुख अपनाते रहे हैं। ईरान का मानना है कि जेडी वेंस इस युद्ध को जल्द खत्म कराने में व्यावहारिक और अहम भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की ओर से इस संभावित बैठक में संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गलिबाफ वार्ता का नेतृत्व कर सकते हैं।

भगोड़े नीरव मोदी को बड़ा झटका, लंदन हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

लंदन , एजेंसी। भारत में भगोड़े हीरा कारोबारी घोषित नीरव मोदी को एक बार एक झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने बुधवार को नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बता दें कि नीरव मोदी को भारत में 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के सिलसिले में प्रत्यर्पित किया जाना है। बता दें कि मोदी एक भगोड़ा आर्थिक अपराधी है, जिस पर भारत में अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर पीएनबी को कथित तौर पर धोखा देने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। नीरव मोदी पर अकेले ही 6,498.20 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप हैं। मोदी 19 मार्च 2019 से ब्रिटेन की अदालत में कैद है।

इससे पहले नीरव मोदी ने हाईकोर्ट की किंग्स बेंच डिवीजन में याचिका दायर की थी। वहीं क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के वकील ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम की मदद से उसकी याचिका के खिलाफ दलीलें पेश की थीं। जांच अधिकारियों सहित सीबीआई अधिकारियों की एक टीम सुनवाई के लिए लंदन गई थी।

नीरव मोदी की याचिका खारिज : सीबीआई की प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि नीरव मोदी की अर्जी खारिज कर दी गई है। उन्होंने बताया, ''हथियार कारोबारी संजय भंडारी मामले में आए फैसले के आधार पर मामले में दोबारा सुनवाई शुरू करने की अर्जी दायर की गई थी। हालांकि, सीबीआई के निरंतर और समन्वित प्रयासों से इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया गया। प्रवक्ता की बताया कि मोदी की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि याचिका और उससे संबंधित परिस्थितियां इतनी असाधारण नहीं थीं कि मामले में दोबारा सुनवाई का औचित्य साबित हो सके। उन्होंने कहा, ''सीबीआई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में महत्वपूर्ण वित्तीय गड़बड़ी से जुड़े पीएनबी घोटाले के संबंध में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है और इस मामले में कार्यवाही 2018 से जारी है।

कोर्ट को नहीं मिली खामी : सीबीआई प्रवक्ता ने आगे बताया कि ब्रिटेन की अदालतों ने 2019 में मोदी की गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी और उसकी पिछली अपीलों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि अदालतों को कोई कानूनी खामी नहीं मिली और भारत में उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में दिए गए आश्वासनों को स्वीकार कर लिया गया था।

अधिकारी ने कहा, ''हालांकि एक अस्थायी कानूनी बाधा ने प्रक्रिया में देरी की, लेकिन इसे अगस्त 2025 में हटा दिया गया। नीरव मोदी ने संभावित दुर्व्यवहार (भंडारी फैसले के आधार पर) के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए और यह सवाल उठाया कि क्या भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए आश्वासन उसके अधिकारों की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं। उसने इसके साथ ही मामले पर दोबारा सुनवाई के लिए आवेदन किया था।

ईरान पर हमलों को ऑस्ट्रेलिया में कम समर्थन, सेना भेजने का विरोध

कैनबरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के हमलों की वजह से तनाव की स्थिति बरकरार है। एक सर्वे से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया की केवल 26 फीसदी जनता ही ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के हमलों को सही मानती है। वहीं 50 फीसदी आबादी ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की तैनाती को ठीक नहीं मानती। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्वतंत्र फर्म 'एसेंशियल रिसर्च' के एक मासिक पोल, 'द एसेंशियल रिपोर्ट' के ताजा अपडेट में बताया गया है कि 10 फीसदी लोग ईरान पर हमले शुरू करने के अमेरिका-इजरायल के फैसले को पूरी तरह से जायज हमला मानते हैं और 16 फीसदी लोग इसे ठीक-ठाक कार्रवाई करार दे रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 27 फीसदी हिस्सा इस संघर्ष के सख्त खिलाफ है। 15 फीसदी लोगों ने कहा कि वे इसे नामंजूर करते हैं, जबकि बाकी लोग या तो निष्पक्ष रहने में यकीन रखते हैं या इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं।

संघर्ष में ऑस्ट्रेलिया के शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, पोल में शामिल 50 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे ईरान में अमेरिका-इजरायल के जमीनी अभियान के समर्थन में सेना भेजने का विरोध करेंगे, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि वे ऐसे कदम के पक्ष में हैं।

दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से आने वाले यात्रियों पर बैन लगाने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि शॉर्ट-टर्म वीजा खत्म होने के बाद वे घर जाने से मना कर देंगे। गृह विभाग का कहना है कि अगले छह महीनों तक ईरानी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को पर्यटन या काम के लिए ऑस्ट्रेलिया आने से रोक दिया जाएगा।

एक बयान में कहा गया है, 'ईरान में लड़ाई की वजह से यह खतरा बढ़ गया है कि कुछ अस्थायी वीजा होल्डर्स अपने वीजा खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया से बाहर नहीं जा पाएंगे या शायद ही जा पाएं।'

विभाग ने आगे कहा कि वीजा मामले में थोड़ी सी राहत कुछ खास मामलों में दी जाएंगी, जैसे कि ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के माता-पिता के लिए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 85,000 से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ईरान में पैदा हुए थे और सिडनी और मेलबर्न जैसे बड़े शहरों में रहने वाले ईरानी समुदाय के पाए जाते हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने मेहमान महिला फुटबॉल टीम की सात खिलाड़ियों और अधिकारियों को अपने देश में शरण दी। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम से ईरान में भारी नाराजगी है।

दरअसल, एशियन कप मैच के दौरान खेल शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इस कदम के बाद ईरान में इन खिलाड़ियों को देशद्रोही करार दिया गया। खिलाड़ियों की इस हरकत को इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ बगावत के तौर पर देखा गया।

उन सात में से पांच ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में पनाह लेने का अपना फैसला बदल दिया, जिससे यह शक और बढ़ गया कि उनके परिवार खतरे में आ गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का अजीब दावा- मुझे सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था ईरान, मैंने मना कर दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान उन्हें अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहता था। हाल ही में आयोजित रिपब्लिकन कार्यक्रम में उन्होंने ऐसा दावा किया है। हालांकि, इस पर ईरान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप का बयान ऐसे समय पर आया है, जब खबरें हैं कि ईरान की तरफ से अमेरिका की युद्धविराम की मांग को खारिज कर दिया गया है। ट्रंप ने पाकिस्तान के जरिए ये मांगें ईरान तक पहुंचाई थीं।

ट्रंप ने दावा किया, 'उनकी बहुत ज्यादा इच्छा समझौता करने की है, लेकिन ऐसा कहने से डर रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें उनके लोग ही मार देंगे। उन्हें इस बात का भी डर है कि वो हमारे हाथों मारे जाएंगे। ट्रंप ने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश का ऐसा कोई नेता नहीं रहा होगा, जो ईरान का प्रमुख बनने से इतना बचना चाहता हो। हमने उन्हें साफ तौर पर कहते सुना है। वे कहते हैं, मुझे यह पद नहीं चाहिए। हम आपको अगला सुप्रीम लीडर बनाना चाहते हैं, तो वे कहते हैं, नहीं, शुक्रिया। मुझे यह नहीं चाहिए।

ईरान ने सीजफायर से मना कर दिया : ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजरायल ने तेहरान पर हवाई हमले किए और वाशिंगटन ने क्षेत्र में पैराट्रूपर्स व अधिक संख्या में मरीन सैनिकों की तैनाती की। ईरान के सरकारी समाचार प्रसारक 'प्रेस टीवी' ने एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि ईरान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। प्रेस टीवी की यह खबर पाकिस्तान द्वारा ईरान को प्रस्ताव भेजे जाने के बाद आई है। प्रेस टीवी ने अधिकारी के हवाले से बताया, 'ईरान युद्ध तभी समाप्त करेगा जब वह ऐसा चाहेगा और जब उसकी शर्तें पूरी होंगी।' अधिकारी ने बताया कि तेहरान पश्चिम एशिया में अपने 'जोरदार हमले' जारी रखेगा। ईरान को प्रस्ताव सौंपने वाले पाकिस्तान के दो अधिकारियों ने 15 बातों का जिक्र करते हुए बताया कि इसमें प्रतिबंधों में राहत, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना, मिसाइलों की सीमा तय करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। अमेरिका का दावा- बात जारी है वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, जबकि ईरानी अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। लीविट ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस वार्ता में कहा, 'बातचीत जारी है।

14-15 मई को चीन दौरे पर जाएंगे ट्रंप, जिनपिंग के साथ अहम बैठक, रिश्तों में नई गति के संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब 14 और 15 मई को चीन का दौरा करेंगे। व्हाइट हाउस ने बुधवार को इसकी घोषणा की। यह यात्रा पहले इसी महीने के अंत में निर्धारित थी, लेकिन ईरान युद्ध के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने ट्रंप की बहुप्रतीक्षित चीन यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप इस साल बाद में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन की वाशिंगटन डीसी में वापसी यात्रा की मेजबानी भी करेंगे। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप-शी बैठक वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों नेता जल्द ही द्विपक्षीय मुद्दों पर वार्ता करेंगे।

ईरान युद्ध के कारण स्थगित हुई थी यात्रा : जब लीविट से पूछा गया कि क्या दोनों नेताओं ने इस बैठक को फिर से निर्धारित करने की पूर्व शर्त के रूप में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा की थी, तो उन्होंने जवाब दिया कि राष्ट्रपति और शी के बीच बैठक को फिर से निर्धारित करने के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई थी। लीविट ने कहा राष्ट्रपति शी ने समझा कि इस समय राष्ट्रपति का पूरे क्षेत्र में यहां होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्थगित करने के अनुरोध को समझा और स्वीकार किया, इसीलिए हमारी बैठक हो रही है।

पिछले साल दोनों नेताओं की अक्तूबर में हुई थी मुलाकात : जब यह पूछा गया कि क्या मई में होने वाली बैठक तक युद्ध समाप्त हो जाएगा, तो लीविट ने कहा जैसा कि मैंने कहा है, हमने हमेशा लगभग चार से छह सप्ताह का अनुमान लगाया है। ट्रंप और शी आखिरी बार अक्टूबर में बुसान, दक्षिण कोरिया में एपीईसी शिखर सम्मेलन के मौके पर व्यक्तिगत रूप से मिले थे। पिछले हफ्ते ओवल ऑफिस में आयरिश प्रधानमंत्री मिशेल मार्टिन से मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह महीने के अंत के बजाय पांच या छह सप्ताह में चीन जाएंगे।

उन्होंने कहा था कि वह अपनी चीन यात्रा को फिर से निर्धारित करेंगे। ट्रंप ने कहा हम चीन के साथ काम कर रहे हैं, वे इसके साथ ठीक थे। मैं राष्ट्रपति शी से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मुझे लगता है कि वह मुझसे मिलने के लिए उत्सुक हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव जारी : गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर संयुक्त हमला किया था, जिसके जवाब में इस्लामिक राष्ट्र की जवाबी कार्रवाई ने युद्ध को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया था। अमेरिका और इस्राइलके हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। यह संयुक्त हमले ट्रंप द्वारा तेहरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम पर एक नए सौदे पर सहमत होने के लिए दबाव बढ़ाने के दिनों बाद हुए थे। इस संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी भारी असर डाला है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के पार।

दक्षिण अफ्रीका : भारतीय मूल की 6 महिलाओं पर ज्वेलरी चोरी का केस शुरू

डरबन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में एक ज्वेलरी दुकान से करीब 3.2 मिलियन रैंड (लगभग करोड़ों रुपये) की चोरी के मामले में 6 भारतीय मूल की महिलाओं के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। इन महिलाओं को 2023 में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं। दुकान के मालिक विष्णु पाथर ने कोर्ट में बताया कि शुरुआत में कुछ घड़ियां गायब थीं, लेकिन जांच में लंबे समय से चोरी का पता चला। सभी आरोपी महिलाओं ने खुद को निर्दोष बताया है। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)